समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

एक प्रति १० रुपए ▸ वार्षिक १०० रुपए ▸ सितंबर २००६ ▸ वर्ष ५६ ▸ अंक ९

प्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति बैठक द्वारा कई महत्त्वपूर्ण निर्णय

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा। उपस्थित हैं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया (बायें) एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार (दायें)।

नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी सभा की प्रथम बैठक में बायें से सर्वश्री राम अवतार पोद्दार (राष्ट्रीय महामंत्री), रवीन्द्र कुमार लडिया (राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री), विश्वम्भर दयाल सुरेका, इन्दरचंद संचेती, हरिप्रसाद बुधिया आदि।

सम्मेलन की नवगठित कार्यकारिणी सभा की पहली बैठक को अपनी उपस्थिति से सफलीभूत करते हुए सदस्यगणों में बायें से सर्वश्री हरिप्रसाद बुधिया, प्रह्लाद राय अग्रवाल, गणेश कन्दोई (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), लोकनाथ डोकानिया (अध्यक्ष-प. बंग), रतन शाह (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री), सज्जन भजनका, सुभाष मुरारका, प्रदीप ढेडिया, प्रेमचंद सुरेलिया, जुगलकिशोर जैथलिया, गीतेश शर्मा, आत्माराम सोंथलिया, सुबीर पोद्दार आदि।

- **स्थापना दिवस समारोह, २५ दिसंबर**
- **सदस्यता शुल्क में वृद्धि**
- **सदस्यता अभियान**
- **उच्च शिक्षा कोष न्यास**
- **राष्ट्रीय चिन्तन शिविर ४–५ नवम्बर २००६, कोलकाता**
- **मारवाड़ी सम्मेलन भवन निर्माण का शिलान्यास, नवम्बर २००६**
- **राष्ट्रीय राजनैतिक कार्यकर्त्ता सम्मेलन मार्च–अप्रैल २००७, नयी दिल्ली**
- **समाज सुधार–समरसता : 'मिलनी सबकी चार रुपया, चांदी छोड़ कागज का रुपया'**

50 - 60 YEARS OF EXCELLENCE IN QUALITY PRODUCTS

PRABHAT MARKETING CO. LTD.

4, Synagogue Street
2nd Floor, Room No. 201
Kolkata - 700 001

Ph: 033-2242-2585/4654, 55252587
E-mail : rohitashwaj@hotmail.com
Website : www.jalangroup.net

AUTHORISED DISTRIBUTORS OF

FINOLEX INDUSTRIES LTD.

FOR
Sanitation & Plumbing Systems
Agricultural PIPES & FITTINGS
D-1/10, MIDC. CHINCHWAD
PUNE - 411019
www.finolex.com

'मिलनी सबकी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया'

-मारवाड़ी सम्मेलन

क्रमांक

चिट्ठी आई है पृष्ठ 4-6	अध्यक्षीय भाषण पृष्ठ 7-9
राष्ट्रीय पदाधिकारीगण पृष्ठ 10	अध्यक्ष की कलम से पृष्ठ 11
अंदरूनी ताकत को मजबूत करें, पृष्ठ-12	आधुनिक बनें लेकिन... पृष्ठ 13
भारत की भावी भाग्यरेखा...पृष्ठ 14-15	राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार, पृष्ठ 15
राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति, पृष्ठ 16-17	राष्ट्रीय स्थायी समिति पृष्ठ 17
राष्ट्रीय उपसमितियां पृष्ठ 18-19	प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक, पृष्ठ 20-23
सदस्यता शुल्क में बढ़ोतरी पृष्ठ 24	सम्मेलन की एक सामयिक शुरुआत, पृष्ठ 25
भंवरमल सिंघी पुरस्कार पृष्ठ 25	सम्मान समारोह पृष्ठ 26-27
सम्मेलन भवन शिलान्यास योजना, पृष्ठ 28	प्रांतीय झांकी पृष्ठ 29-34

समाज विकास
सितम्बर, 2006
वर्ष 56, अंक 9
एक प्रति - 10 रु.
वार्षिक - 100 रु.

समाज विकास

1. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का विचार मंच।
2. सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक चेतना का संवाहक।
3. समाज में फैली कुरीतियों, कुसंस्कारों को मिटाने का माध्यम।
4. समाज में संगठन के लिए सशक्त माध्यम।
5. राजस्थानी संस्कृति, कला, साहित्य व भाषा के प्रति समर्पित।
6. समाज में होने वाली सामाजिक घटनाओं, वर्जनाओं का वैचारिक संदेशवाहक।
7. भारत के कोने-कोने में फैले हुए 9 करोड़ मारवाड़ियों को शब्द प्रदाता।
8. आपकी आवाज व विचारों को देश-विदेश के कोने-कोने में बुलन्दी देने हेतु।

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

स्वत्वाधिकारी : अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, 152-बी, महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता-7, फोन : 2268-0319 के लिए श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा छपते छपते, 26-सी क्रीक रो, कोलकाता-700014 में मुद्रित।

संपादक : नंदकिशोर जालान

चिट्ठी आई है

Please accept my congratulation on taking up of your new assignment as President of the All India Marwari Federation.

-Ashwani Kumar,
Minister of State
Deptt of Industrial Policy and Promotion
New Delhi

I am happy to know that you have been unanimously elected as the President of All India Marwari Federation. Please accept my heartiest congratulations and good wishes.

-Bhupinder Singh Hooda
Chief Minister, Haryana

परम आदरणीय अध्यक्ष महोदय,
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, कोलकाता

समाज विकास के अंक में आपकी चिट्ठी का अवलोकन किया। आपने एक माह पूर्व पदभार ग्रहण किया एवं अपनी कार्ययोजना को अंजाम दे दिया। इतनी तेजी से आपने कार्य करने का एक नया इतिहास बनाया है। आपने समाज के ज्वलंत मुद्दों को छुआ है एवं मैं समझता हूँ कि समाज आपके कार्यकाल में बुलंदी पर पहुँचेगा एवं आप ऐतिहासिक अध्यक्ष साबित होंगे।

-विनोद कुमार अग्रवाल, राजमहल

सम्पादकीय '20 से 21वीं सदी में' पढ़कर प्रसन्नता हुई। आपने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को दिशा दी है। हमारे समाज के लोगों ने अन्तर्राष्ट्रीय जगत में प्रवेश कर काफी नाम कमाया है और कमा रहे हैं। यदि आप आध्यात्मिक, बौद्धिक और साहित्य की बातों का समावेश करते तो आपका लेख पूर्ण होता।

-नागराज शर्मा, पिलानी

अगस्त अंक में श्री सीतारामजी शर्मा के सुझाव ने मन को प्रत्साहित किया। उम्मीद है आने वाले दिनों में सम्मेलन एक नई ऊर्जा के साथ एक नये क्षितिज की ओर अग्रसर होगा। आपके सुझाव बहुत ही सराहनीय, अच्छे, उच्च एवं अमूल्य हैं। एक करोड़ की प्रारम्भिक धनराशि से मारवाड़ी सम्मेलन की उच्च शिक्षा राष्ट्रीय कोष बनाने की घोषणा बहुत ही अच्छी योजना है। आपकी इस कार्य सफलता के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। टी.वी. में अपना एक 'मारवाड़ी चैनल' जिससे सबको अच्छी संस्कार मिल सके, काफी लाभदायक होगा।

-शिवशंकर अग्रवाल, बलांगीर

यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि आप सर्वसम्मति से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए हैं। मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व में सम्मेलन समाज सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, संवाद एवं संचार तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने में और आधिक कुशलता से अपना सक्रिय योगदान देगा।

-एस. एस. तुलस्यान
पूर्व प्रतिकुलपति, मगध विश्वविद्यालय, पटना

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर मेरी ओर से आपके इस निर्वाचन के लिए ढेर सारी बधाइयां और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। मारवाड़ी समाज और अधिक प्रगति करे इस हेतु आपके प्रयासों को गति मिले ऐसी मेरी कामना है।

-ललित किशोर चतुर्वेदी
संसद सदस्य, राज्यसभा, जयपुर

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई। आपके नेतृत्व में राजस्थानी समाज राजस्थानी भाषा के लिए संघर्षरत रहेगा ऐसा विश्वास है।

-नागराज शर्मा, संपादक - विणजारो, पिलानी

यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि माननीय श्री सीताराम शर्मा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। मैं अपनी तथा चनपटिया शाखा की ओर से हार्दिक बधाई देता हूँ। उनके कर्मठ एवं गतिशील नेतृत्व में समाज की प्रगति को नई दिशा मिलेगी तथा संगठन का अधिक से अधिक विस्तार होगा, ऐसी आशा है।

समाज विकास जुलाई अंक में श्री नन्दकिशोर जालान का संपादकीय एवं श्री मोहनलाल तुलस्यान के अध्यक्षीय आलेख अति प्रशंसनीय हैं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने आलेख में समाज के प्रति आभार प्रकट करते हुए मारवाड़ी होने में गर्व की अनुभूति करने का उद्घोष किया है। सम्मेलन के पूर्व सभापतियों के विचार आज भी प्रासंगिक लगते हैं। श्रीमती अरुणा जैन की कविता में भ्रूण हत्या के

चिट्ठी आई है

चलन के प्रति उनके मन की गहरी पीड़ अभिव्यक्त है। यह अंक सचमुच एक विशेषांक है। संपादन कौशल निखरा हुआ है।

-युगल किशोर चौधरी, चनपटिया, बिहार

Heartiest congratulations for becoming the President of All India Marwari Federation. I am sure that under your able guidance and vision the Federation will grow and continuing to meet its outlined objectives.

-Sanjeev Sharma, New Delhi

I am desire to convey the congratulations of Hon'ble Lt. Governor on your having been unanimously elected as the President of All India Marwari Federation.

-V. P. Rao
Addl. Secretary & PS to Lt. Governor, Delhi

सर्वप्रथम आप ऐसे सुयोग्य, मृदुभाषी एवं कुशल नेतृत्व क्षमतावाले व्यक्तित्व के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में सुशोभित होने पर हमारी व कानपुर शाखा की हार्दिक बधाई स्वीकार करें।

-सत्यनारायण सिंहानिया एवं अनिल परसरामपुरिया
शाखा अध्यक्ष एवं मंत्री, कानपुर

अखिल भारवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित होने पर मेरी एवं राँची के समस्त मारवाड़ी ब्राह्मण समाज की ओर से हार्दिक बधाई।

महामंत्री के रूप में आपने सम्मेलन को एक स्फूर्ति दी, नई ऊर्जा दी, लोगों को इससे जोड़ा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर आरूढ़ होते ही सम्मेलन एक नये रूप में प्रवासी मारवाड़ियों को आकर्षित करेगा एवं छोटी से छोटी शाखा भी इस मंच के माध्यम से समाजहित के कार्यों का सम्पादन कर सम्मेलन को एक उत्कृष्ट स्थान प्रदान करेगी। आपके नेतृत्व में मारवाड़ी सम्मेलन में मारवाड़ी ब्राह्मण समाज भी न केवल इससे जुड़ेगा बल्कि अपनी बहुमूल्य प्रतिभा का भी परिचय देगा।

-रविशंकर शर्मा, राँची

राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित आपको अभिनन्दन एवं हार्दिक शुभ कामनाएँ। आप जैसे समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता को सर्वोच्च एवं सम्माननीय इस पद पर आसीन होना नि:सन्देह महासभा की सफलता और प्रगति का सूचक है। आपका अनुभव और कार्यशैली महासभा के लिए सफलता एवं रचनात्मक सिद्ध होगा।

-बाबूलाल गगड़
प्रादेशिक उपाध्यक्ष, पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट

ढेर बधाइयां व शुभकामनाएं स्वीकार करें आप सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

आपसे काफी आशाएं हैं, अपने समाज को, हमें पूर्ण विश्वास है, वो अवश्य पूरी होंगी।

-रघुनाथ प्रसाद डोकानिया
अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन-जामताड़ा

आपको इस पद पर पा कर काफी खुशी हुई, समाज को आपसे काफी आशा और विश्वास है नई दिशा की मार्ग दर्शन के लिए।

-अशोक कुमार अग्रवाल, खेतराजपुर, सम्बलपुर

I congratulate you for your selection/election as President of All India Marwari Federation. I am sure you will turn the tables.

-Raj Kumar Rajgaria, Kolkata

आप अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं, मेरी शुभकामना एवं हार्दिक बधाई। आशा करता हूँ कि आपकी अध्यक्षता में सम्मेलन को नई दिशा तथा प्रगति सुलभ होगी।

-स्वामी राम (रतनलाल जोशी)
भायन्दर, महाराष्ट्र

सम्मेलन की बागडोर अब आपके सक्रिय हाथों में है, इसकी मुझे व्यक्तिगत रूप से अत्यन्त खुशी है एवं विश्वास है कि आपके सम्यक-सबल एवं दूरदर्शी सहयोगिता पूर्ण नेतृत्व में इस भारत स्तरीय संस्था को सार्थक दिशा व गति प्राप्त होगी।

-श्याम सुन्दर बागड़िया, कोलकाता

I am very glad to know that you have elected as President of All India Marwari Federation. Please accept may heartiest congratulations on your being elected as national president.

I am confident that under your leadership the basic cause for which the Sammelan was formed i.e. social reform will get boost.

-Surendra Sharma, Kolkata

Congratulation on your election as the President, AIMF. It is an honour well-deserved.

-Ashok Kapur,
Secretary General, 10D New Delhi

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर चुने जाने पर हमारे ब्यूरो की तरफ से कोटि-कोटि शुभकामनायें स्वीकार करें। समाज को आप जैसी विभूति पर गर्व एवं स्वाभिमान होना चाहिए। आप इसी प्रकार ऊँचाइयों की बुलंदियों को पार करते रहें और समाज सेवा भावना से ओत-प्रोत जीवन निर्वाह करते रहें, मैं तो यही कहूँगा।

-गोपाल प्रसाद चामरिया, बेगूसराय

मुखपत्र, जुलाई 2006 देखा और पढ़ा। बहुत ही मनोरंजक और सूचनात्मक है।

इच्छा है, इस मुखपत्र को नियमित प्राप्त करूं, अपने पुस्तकालय सह वाचनालय हेतु, जहां मेरे मित्र एवं स्थानीय लोग नियमित आते हैं, और पत्र-पत्रिकायें, पुस्तकों को पढ़ते हैं।

-सुरेश कुमार नाथानी, कोलकाता

अगस्त अंक मिला। मुखपृष्ठ आर्ट पेपर का होने से आकर्षक लगा। आशा है अन्य पृष्ठों को भी अच्छे पेपर में देने का तय करेंगे। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठा के अनुकूल ही होना चाहिए।

-परशुराम मूँधड़ा, कोलकाता

I am so very happy to know that you have been elected as President of All India Marwari Federation. I am sure under your able guidance the federation will look after the needy and the poor and do away with growing tendency of exploitation in the society.

-P. K. Maheshwari, Kolkata

71वां सम्मेलन स्थापना दिवस समारोह

सोमवार, 25 दिसम्बर 2006

कला मन्दिर सभागार, कोलकाता

इस अवसर पर अपने समाज के परिवार के कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने की योजना है।

इच्छुक कलाकार सम्पर्क करें :-

बालकृष्ण दास मुंधड़ा
अध्यक्ष, *साहित्य, संस्कृति उपसमिति*
फोन - 2252-4125/7900
मो. - 9830063610

राम अवतार पोद्दार
महामंत्री, *अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन*
152-बी, महात्मा गांधी रोड,
कोलकाता - 700007
फोन - 22680319, मो. - 9830019281

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

20वें राष्ट्रीय अधिवेशन

के

अध्यक्ष

श्री सीताराम शर्मा

का

अभिभाषण

5 - 6 अगस्त 2006

भुवनेश्वर, उड़ीसा

बहनों एवं भाइयों,

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभापति के रूप में मेरे जैसे एक अकिंचन कार्यकर्त्ता को निर्वाचित कर आपने मेरे प्रति जो सम्मान एवं आस्था व्यक्त की है, उसके लिए मैं हृदय से आप सभी का आभारी हूँ। मेरा यह भरसक प्रयास होगा कि आपने जिस आशा एवं विश्वास के साथ यह उत्तरदायित्व एवं कर्त्तव्य मुझे सौंपा है उसके अनुरूप अपने आप को सिद्ध कर सकूँ।

मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना के उपरांत के सात दशकों में, भारत सहित विश्व एवं हमारे समाज में एक अभूतपूर्व परिवर्तन घटा है। एक नयी राजनैतिक एवं आर्थिक विश्व-व्यवस्था स्थापित हुई है। खुली अर्थव्यवस्था एवं वैश्वीकरण ने तमाम मूल्यों, आस्थाओं एवं संकल्पों में आमूल परिवर्तन किया है। उदारीकरण की नीति ने आर्थिक समन्वय के रूप को बदला है। बढ़ती तीव्र प्रतिस्पर्द्धा के इस युग में आने वाला समय उद्योग-व्यवस्था के लिए एक ओर जहाँ नये अवसर प्रदान करेगा, वहीं अधिक चुनौतीपूर्ण एवं संघर्षमय होगा। आर्थिक सुधार एवं उदारीकरण वै भक काल में छोटे, मझौले एवं कमजोर उद्योग एवं व्यवसाय ौर कमजोर होंगे। खुली विश्व अर्थव्यवस्था ने आयात-निर्यात के संदर्भ में विश्व को एक गाँव में परिवर्तित कर दिया है। फलस्वरूप ताकतवर और अधिक ताकतवर होगा एवं कमजोर और कमजोर होगा।

बंधुओं, इस पृष्ठभूमि को प्रस्तुत करने के पीछे मेरी भावना यह है कि आने वाला समय आर्थिक क्षेत्र में और अधिक संघर्षपूर्ण एवं ज्यादा जागरूकता को विवश करेगा। चूँकि मारवाड़ी समाज मुख्यतया व्यापार एवं उद्योग-धन्धे से जुड़ा समाज है इसलिए वह इससे अप्रभावित हुए नहीं रह सकता। मैं समझता हूँ कि पिछले कुछ दशकों में मारवाड़ी समाज आर्थिक क्षेत्र में अपनी ऊंचाइयों एवं प्रभाव को खो रहा है। एक समय देश के सबसे धनी दस घरानों में कम से कम आधे या अधिक मारवाड़ी समाज से होते थे, लेकिन अब? लक्ष्मी मित्तल भले ही विश्व के तीसरे सबसे बड़े धनी व्यक्ति हो, लेकिन देश के दस बड़े घरानों में हमारा नाम इक्का-दुक्का ही रह गया है। इस बदलाव के दौर में समाज को अपनी व्यावसायिक क्षमता, सूझबूझ, सम्मिलित आर्थिक शक्ति एवं व्यावसायिक सामर्थ्य को उभारते हुए नयी आर्थिक चुनौतियों का मुकाबला करना है। बाजार व्यवस्था के चलते न केवल

अध्यक्षीय अभिभाषण....

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में बल्कि सामाजिक जीवन में भी अर्थ का बोलबाला बढ़ गया है। धनोपार्जन को अब एक नये सम्मान का स्थान मिला है। विश्व के धनी व्यक्तियों को आमंत्रित करने के लिए अब राष्ट्र-प्रमुखों में होड़ लगी है।

आर्थिक चुनौतियों के इस दौर में हमें उन मारवाड़ी भाइयों को नहीं भूलना है जो आज भी दो रोटी के लिए जी तोड़ परिश्रम करते हैं। हमें ऐसा सम्मिलित आर्थिक सामर्थ्य पैदा करना है कि समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो सके एवं समाज के सर्वांगीण उन्नति का सम्मेलन का सपना साकार हो सके।

किसी भी 71 वर्षीय संस्था के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न होता है अपनी सामयिकता एवं प्रासंगिकता को बनाये रखना। मारवाड़ी सम्मेलन के लिए समय के साथ चलना तुलनात्मक रूप से सहज था, क्योंकि सम्मेलन की स्थापना के पीछे मूल उद्देश्य ही था समाज को समयानुसार परिवर्तन की ओर अग्रसर करना। सम्मेलन समाज के लिए स्वयं बदलाव का स्रोत एवं प्रेरक रहा है, परन्तु मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता के सवाल पर यदा-कदा प्रश्न उठते रहते हैं कि सम्मेलन क्या है, क्यों है और किस लिए है? इन प्रश्नों को न तो सिरे से खारिज किया जा सकता है, न ही उन्हें नजरअन्दाज किया जाना चाहिए। आज 21वीं शताब्दी में मारवाड़ी सम्मेलन जैसी जातीय संस्था का क्या औचित्य है? पर्दा-प्रथा, विधवा-विवाह, दहेज-दिखावा, बालिका-शिक्षा आदि समाज-सुधार की बातें कतिपय वर्ग को अजीबोगरीब एवं दकियानुसी लगती है। समाज सुधार एवं समरसता जैसे वैचारिक प्रश्नों से युवा वर्ग पूर्णतया जुड़ नहीं पा रहा है एवं सेवा कार्य के लिए उन्हें रोटरी एवं लायन्स अधिक लुभाता है। देश की आबादी का तीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा युवा है। यह बात कमो-वेश रूप में मारवाड़ी समाज पर भी लागू होती है। इसलिए सामाजिक परिवर्तन के किसी भी उद्देश्य व कार्यक्रम की सफलता के लिए युवा वर्ग को जोड़ना अनिवार्य है। युवा एवं महिलाओं की भागीदारी एवं समर्थन के बिना कोई भी समाज सुधार का आंदोलन निरर्थक साबित होगा, क्योंकि समाज-सुधार के प्रायः सभी कार्यक्रम एवं उद्देश्य समाज के इन्हीं वर्गों से सम्बन्धित हैं एवं इन्हें ही मुख्य रूप से सम्बोधित करते हैं।

'मिलनी सबकी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया'
-मारवाड़ी सम्मेलन

अर्थ के बढ़ते महत्व ने नयी गम्भीर सामाजिक समस्याओं को भी खड़ा किया है। हालांकि पैसा हमारे समाज में सदैव ही कुछ ज्यादा बोलता आया है। मारवाड़ी सम्मेलन के सप्तम अधिवेशन को दिसम्बर 1953 में कलकत्ता के मोहम्मद अली पार्क में सम्बोधित करते हुए सम्मेलन सभापति स्वनामधन्य सेठ गोविन्द दास ने कहा था **''ऐसा लगता है आज प्रत्येक व्यक्ति धन के पीछे दीवाना हो गया है और इस प्रयास में है कि कैसे ही एक साथ धनी बन जाये। हमें 'टकाधर्म' को अलविदा कर देना है।''**

1935 में जब सम्मेलन की स्थापना की गयी तब भी समाज उसके उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों के प्रति आशंकित था। सम्मेलन को समाज-सुधार के प्रश्न पर पूरे समाज का समर्थन प्राप्त नहीं था। 'समाज-सुधार एवं समरसता' का पहला नारा अप्रैल 1947 में सम्मेलन सभापति स्व. बृजलाल जी बियाणी ने छठे अधिवेशन में बम्बई में दिया। उन्होंने कहा - **''मारवाड़ी सम्मेलन आज तक सामाजिक सुधार के क्षेत्र में कुछ अंश तक अलिप्त रहता आया है, पर अब समय आ गया है कि सम्मेलन सामाजिक सुधार के काम में तत्परता से लग जाये।... मारवाड़ी भाई जहाँ रहते हैं वहाँ की जनता से समरस हो जायें, वहीं अपनी जन्मभूमि राजस्थान को सम्पूर्ण विस्मरण न करें।''**

समाज में तेजी से एक बदलाव आया है। अनेक परिवर्तन हुए हैं - कुछ शुभ, कुछ अशुभ। मारवाड़ी समाज का, विशेषकर नगरों एवं शहरों में एक परिवर्तित नया रूप उभरा है। सम्मेलन द्वारा किये जा रहे वैचारिक परिवर्तन के कार्य के सुफल परिणाम आज देखे जा सकते हैं। उद्योग-व्यवसाय के अतिरिक्त शिक्षा, ज्ञान, विज्ञान, साहित्य, कला संस्कृति, खेल, मनोरंजन आदि क्षेत्र में समाज की उपलब्धियाँ गौरवपूर्ण है। समाज-सुधार की दिशा में निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप समाज काफी सीमा तक पुरानी सामाजिक रूढ़ियों के बंधन से मुक्त हुआ है, लेकिन अंधविश्वास एवं सामाजिक कुरीतियों के जाल से हम सम्पूर्ण रूप से मुक्त नहीं हुए हैं - विशेषकर नारी समाज। आज हमारे घर की लड़कियाँ एवं बहुएँ उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। प्रेम-विवाह एवं अन्तर्जातीय विवाह पर बातचीत करती है। यह सब आज बहुत सहज एवं स्वाभाविक लगता है, लेकिन कुछ वर्षों पूर्व तक ऐसा नहीं था और आज भी सम्पूर्ण नारी समाज को यह स्वतंत्रता या स्थान नहीं मिला है। इस परिवर्तन के लिए सम्मेलन ने, समाज ने एक लड़ाई लड़ी है, अथक प्रयास किया है। पर्दा-प्रथा [illegible]द्ध आंदोलन किये एवं लाठियाँ खाईं एवं बालिका-शि[illegible] के लिये घर-घर जाकर प्रचार किया, किन्तु

अध्यक्षीय अभिभाषण....

समाज की नारी को आज भी अत्याचार एवं प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। आज भी दहेज के नाम पर बहुओं को जलाया जाता है। विधवा को आज भी सामाजिक तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। समाज उन्हें अभी भी सम्पूर्ण सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं दे पाया है।

समाज शिक्षित हुआ है, लेकिन सुधार अभी भी बाकी है। मारवाड़ी समाज अपनी जिन खूबियों के लिए जाना जाता है, उन्हें खो रहा है। संचय की प्रवृति का ह्रास हुआ है एवं झूठा दिखावा एवं प्रदर्शन बढ़ रहा है। व्यवसाय में जुबान की कीमत एवं ईमानदारी में कमी हुई है। पारिवारिक टूटन, अनुशासन का अभाव, बढ़ते तलाक, टूटते विवाह आदि ऐसे सामाजिक प्रश्न हैं, जिन्हें कोई कोर्ट-कचहरी नहीं सुलझा सकते। यह सुधार सिर्फ समाज को स्वयं करना है। जिसमें मारवाड़ी सम्मेलन को एक महत्त्वपूर्ण एवं प्रभावशाली भूमिका निभानी है। मैं यह बात सदैव कहता आया हूँ कि मारवाड़ी सम्मेलन ही एक ऐसी एकमात्र संस्था है जो अपनी जाति एवं समाज की बड़ाई का, खूबियों एवं उपलब्धियों का ढोल नहीं पीटती, बल्कि उसकी बुराइयों एवं खामियों के विषय में समाज को सचेत करती है एवं उनके निराकरण के लिए विचार मंच प्रदान करती है, आंदोलन करती है। ऐसी संस्था संभवत: किसी अन्य समाज में नहीं है।

हमारे सामाजिक-नैतिक मूल्यों में एक बड़ी गिरावट आयी है। यह हमारे बुजुर्गों की दूरदर्शिता थी कि उन्होंने इस जरूरत को समझा कि लगातार एक सामाजिक सुधार की आवश्यकता है एवं मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना की। सम्मेलन एक विचार मंच है जो समाज की कुरीतियों, असंगतियों एवं कमियों से समाज को आगाह करने के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। बदलते समय के साथ-साथ चलने एवं परिवर्तन के लिए विचारधारा प्रदान करता है। 'गर्व से कहो हम मारवाड़ी हैं' - यह एक नारा ही बनकर रह जायेगा, अगर हम समाज को अपने आप पर गर्व करने योग्य बनाकर रखने के लिए बराबर सामाजिक सुधार का कार्य नहीं करेंगे। समाज सुधार एक निरन्तर प्रक्रिया है। अतएव सम्मेलन की कल भी एक भूमिका थी, आज भी है एवं कल भी रहेगी।

गाँधी जी बराबर कहा करते थे कि सामाजिक क्रांति का काम एक राजनीतिक क्रांति की अपेक्षा कई गुणा अधिक जटिल एवं कठिन होता है। मारवाड़ी सम्मेलन की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रश्न पहली बार नहीं उठ रहे हैं। कुछ लोगों ने तो 'मारवाड़ी' की जगह 'राजस्थानी' के प्रयोग का भी प्रस्ताव रखा है। इस संदर्भ में मैं सम्मेलन के विचारक सभापति स्व. भंवरमल सिंघी के हैदराबाद में 1976 में सम्मेलन के एकादश अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए भाषण को उद्धृत करना चाहता हूँ- **''कुछ लोग आलोचना एवं निन्दा की वर्तमान स्थिति से बचने के लिए 'मारवाड़ी' की जगह अपने आपको राजस्थानी बताने की बात कहते हैं, लेकिन यह एक भ्रम ही है। नाम बदलने से ही न तो हम इस स्थिति को सुधार करने में सफल हो जायेंगे और न यह संभव ही है। जिस आलोचना की बात कही जाती है, उसे नाम बदल कर ही दूर नहीं किया जा सकता। उसके लिए विचार, कार्य और प्रवृत्ति में जो परिवर्तन आवश्यक है, सौभाग्य से उसकी दिशा में समाज सम्प्रति पूर्ण आस्था एवं विश्वास के साथ बढ़ रहा है।''**

नव समाज निर्माण का आह्वान

मेरी मान्यता है कि मारवाड़ी सम्मेलन को विचार मंच से आगे बढ़कर एक सक्रिय वैचारिक आंदोलन का रूप लेना चाहिए। समाज-सुधार एवं समरसता हमारा नारा हो। हमें दहेज-दिखावा, नारी-प्रताड़ना, आडम्बर, फिजूलखर्ची का सक्रिय विरोध करना है। मारवाड़ी सम्मेलन की केन्द्रीय, प्रांतीय एवं जिला स्तर पर सांगठनिक क्षमता का विकास कर इसे सही मायने में मारवाड़ी समाज की एकमात्र प्रतिनिधि संस्था के रूप में स्थापित करना है। सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए मारवाड़ी सम्मेलन में नयी चेतना जागृत करनी है। मारवाड़ी समाज की नयी आधुनिक प्रतिमा को देश के सम्मुख प्रस्तुत करना है। साहित्य, संस्कृति, कला, राजनीति, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं की परिचिति के साथ-साथ उन्हें मान्यता एवं सम्मान प्रदान कर समाज को नया स्वरूप एवं नया व्यक्तित्व देना है।

मारवाड़ी समाज का सोच किसी भी दृष्टि से कभी संकीर्ण एवं संकुचित नहीं रही। हमारा नारा ही है - राष्ट्र री प्रगति - मारवाड़ी समाज सम्पूर्ण राष्ट्र की उन्नति, प्रगति एवं विकास का हामी है एवं हमें पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ बिना जाति, धर्म एवं राज्य की सीमाओं के अपनी राष्ट्र-निर्माण की भूमिका निभानी है। मारवाड़ी समाज देश के कोने-कोने में फैला हुआ है। इस समाज ने कभी भी किसी आरक्षण अथवा विशेष सुविधाओं की मांग नहीं की है। यह समाज शांति, कानून-व्यवस्था एवं राष्ट्र की प्रगति एवं एकता में विश्वास रखता है।

मैं अपनी बातों को पुन: आदरणीय स्व. भंवरमल सिंघी के शब्दों के साथ विराम देना चाहूँगा - **''आपकी सदिच्छाएं, आपकी सक्रिय सहयोगिता ही मेरा भरोसा और संबल होगा। आप के साथ मैं और मेरे साथ आप चलेंगे तो समाज की विकास और प्रगति की दिशा में हमारी भावी यात्रा अवश्य सफल और सार्थक होगी।''** ●

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

पदाधिकारीगण

राष्ट्रीय उपसभापति

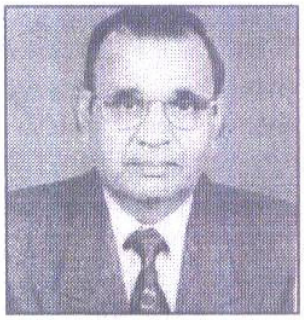
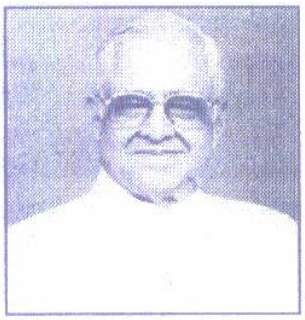

चित्र क्रमानुसार – बायें से

श्री नंदलाल रुंगटा

श्री राज के. पुरोहित

श्री ओंकारमल अग्रवाल

श्री बालकृष्ण गोयनका

श्री गणेश प्रसाद कन्दोई

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

श्री अरुण गुप्ता

श्री रवीन्द्र कुमार लड़िया

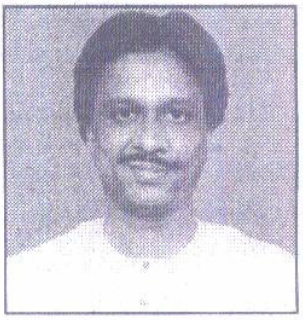

जिंदगी धूप का है सफर, कोई साथ तो चले, न होगी अकेले गुजर, कोई साथ तो चले, सम्मेलन में अकेले बढ़ना, कोई आसान नही, बनके साया, बनके भाई, हाथ थाम के चलें।

–**अरुणा जैन**, राष्ट्रीय अध्यक्षा
अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

पत्र संख्या 2, दिनांक 1, अक्टूबर 2006

राष्ट्रीय अध्यक्ष की आपके नाम चिट्ठी

भाइयों एवं बहिनों,

पिछले महीने से मैंने 'समाज विकास' के माध्यम से आपके नाम चिट्ठी लिखकर सीधे वार्तालाप का प्रयोग आरम्भ किया था। मेरा भय कहीं यह वार्तालाप 'एकतरफा' न रह जाये निर्मूल निकला। आपने मेरी उम्मीद से कहीं अधिक प्रतिक्रियायें भेजकर, मेरी हिम्मत बढ़ायी है कि मैं यह वार्तालाप जारी रख सकूँ।

सितम्बर का महीना काफी व्यस्त रहा। न सिर्फ राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया, साथ ही उसकी प्रथम बैठक कोलकाता में 5 सितम्बर को सम्मेलन भवन में आयोजित की गयी। उपस्थिति एवं निर्णयों- दोनों ही मायनों में यह बैठक ऐतिहासिक रही। निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण फैसले किये गये:-

- सम्मेलन भवन उप-समिति का गठन कर नये भवन के निर्माण का कार्य तुरंत हाथ में लिया जाये।
- मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन में सम्मेलन के प्रतिनिधि ट्रस्टियों का मनोनयन किया गया।
- आगामी 4-5 नवम्बर 2006 को कोलकाता में सम्मेलन की दिशा एवं दिशा पर विचारार्थ 'चिन्तन शिविर' का आयोजन जिसमें सभी प्रान्तीय सम्मेलनों के अध्यक्ष, मंत्रियों एवं कोषाध्यक्षों को आमंत्रित करने का निर्णय।
- 14 से 21 नवम्बर 2006 के बीच सम्मेलन भवन के शिलान्यास का निर्णय।
- 25 दिसम्बर को सम्मेलन का 71वाँ स्थापना दिवस समारोह में समाज के परिवार के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- मार्च-अप्रैल 2007 में दिल्ली में मारवाड़ी राजनैतिक कार्यकर्त्ता सम्मेलन।
- वैवाहिक आचार-संहिता तैयार करने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन 'सबकी मिलनी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया' का प्रस्ताव स्वीकृत।

उपरोक्त प्रायः सभी कार्यक्रमों पर कार्य आरम्भ कर दिया गया है। सम्मेलन भवन उप-समिति की प्रथम बैठक 11 सितम्बर को हुई जिसमें भवन की रूपरेखा निर्धारित करने के साथ-साथ आर्किटेक्ट का नाम तय किया गया।

'चिन्तन शिविर' के लिए निमंत्रण पत्र भेज दिये गये। बिहार एवं पूर्वोत्तर के पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति की जानकारी भी दे दी है। चिंतन शिविर के सम्मुख मुख्यतया दो मुद्दे हैं - संगठन एवं कार्यक्रम। विचारार्थ विषयों पर प्रान्तीय अधिकारियों से लिखित प्रस्ताव भेजने का अनुरोध किया गया है। हम चाहेंगे कि इन प्रस्तावों पर प्रान्तीय प्रादेशिक अथवा कार्यकारिणी समिति की बैठकों में विचार कर केन्द्रीय सम्मेलन को भेजें जिससे ये प्रस्ताव सिर्फ पदाधिकारियों के नहीं होकर प्रान्त के प्रस्ताव हों।

मारवाड़ी समाज की राजनीति में भागीदारी को विकसित करने के लिए तीन दिवसीय राजनैतिक कार्यकर्त्ता सम्मेलन का आयोजन मार्च-अप्रैल 2007 में दिल्ली में किया जा रहा है। कार्यकारिणी का निर्णय है कि इस सम्मेलन में वर्तमान एवं भूतपूर्व सांसदों, विधायकों एवं पार्षदों के अतिरिक्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए। इनकी सूची तैयार करने का काम हाथ में ले लिया गया है, इसमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। सभी प्रान्तीय-जिला सम्मेलनों से अनुरोध है कि वे अपने क्षेत्र से ऐसे राजनैतिक व्यक्तियों के नाम, पता, फोन, फैक्स, मोबाइल, ई-मेल के साथ भेजने की कृपा करें।

विभिन्न कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए 11 उप-समितियाँ गठित की गयी हैं। इन समितियों में करीब-करीब 100 से अधिक सदस्य जुड़े हैं। सम्मेलन की 21 सदस्यीय स्थायी समिति का गठन कर दिया गया है एवं सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक नयी अखिल भारतीय समिति के चुनाव की प्रक्रिया आरम्भ कर दी गयी है।

कार्यकारिणी समिति ने सम्मेलन की सदस्यता शुल्क में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। सम्मेलन आर्थिक संकट काल से गुजर रहा है। पिछले वर्षों से सम्मेलन की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर हुई है। मेरे अध्यक्ष निर्वाचन के समय सम्मेलन की आर्थिक अवस्था बहुत ही कठिन थी, जिसे सुधारने का हरसंभव प्रयास आप सभी के सहयोग से किया जा रहा है।

आपका

सीताराम

(सीताराम शर्मा)

अन्दरूनी ताक़त को मजबूत करें

मोहनलाल तुलस्यान, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

हम एक बेहद खतरनाक दौर में जी रहे हैं। हम सुख, शांति, सौहार्द्र की बातें करके अपने मन को चाहे जितना भुला लें, लेकिन सच्चाई यह है कि हमारा पारिवारिक-सामाजिक माहौल अशांति, विद्वेष और दु:ख से भरता जा रहा है। समस्या-दर-समस्या उत्पन्न हो रही है और उनके निदान के लिए विचारों का अभाव है। मुझे तो कई बार ऐसा लगता है कि आज हम एक विचार-शून्य समाज में जी रहे हैं।

पिछले डेढ़-दो दशकों की घटनाओं पर नजर डालें तो पाएंगे कि जिस तरह लोगों की संवेदना खत्म हो रही है, रिश्तों में दरार पैदा हो रहे हैं, आपसी सहयोगिता की भावना मिट रही है वह खतरनाक हद तक हमारी मानवीयता पर ही प्रश्नचिह्न लगाती जा रही है। हम धीरे-धीरे एकाकी होते जा रहे हैं।

लोगों के एकाकी होते जाने से ही यह संभव हो रहा है कि किसी को भी मिटाने के लिए बहुत अधिक जद्दोजहद की जरूरत नहीं होती। अपराधिक तत्व लोगों की भीड़ में अपना काम करके निकल जाते हैं और हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रह जाते हैं।

विस्तृत रूप से सोचें तो हमारे देश में निरंतर बढ़ रही आतंकी कार्रवाइयों के मूल में लोगों का एक-दूसरे से बेफिक्र होते जाना है। लोग विघटित हैं - जाति, धर्म, सम्प्रदाय की संकरी भावनाओं में, लेकिन उपद्रवी तत्व एकजुट हैं। वे लोगों की एकाकीपन को अपने हित में पाते हैं।

पिछले दिनों जिस तरह से देश के कुछ हिस्सों में लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं उसे देखते हुए हमें तत्काल सचेत हो जाने की आवश्यकता है। जब देश के प्रधानमंत्री आतंकी हमलों के खतरों को भांप रहे हैं तो आम नागरिक के लिए यह चेतावनी है।

हम मारवाड़ी के रूप में देश की समसामयिक घटनाओं से निरपेक्ष नहीं रह सकते, क्योंकि हर घटना-दुर्घटना का प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव हम पर पड़ता ही है। हमारे लोग पूरे देश में फैले हुए हैं। जहाँ कहीं कोई अप्रिय घटना घटती है औरों के साथ हमारे लोग भी प्रभावित होते हैं।

आज सरकार और प्रशासन द्वारा आतंकी हमलों से बचाव के चाहे जो उपाय किये जा रहे हों देश के हर नागरिक को अब नये सिरे से इस मसले पर सोचना होगा। जहां एक ओर बाहरी ताकतों से लड़ने की चुनौती है वहीं अन्दरूनी ताकतों से भी दो-दो हाथ करने की जरूरत है। पंजाब के क्रांतिकारी कवि 'पाश' की एक बहुचर्चित कविता की इन पंक्तियों के निहितार्थ को समझकर हमें अपने जीवन में उसके अनुरूप आचरण करना होगा-

सबसे खतरनाक होता है
मुर्दा शांति से मर जाना
न होना तड़प का सब सहन कर जाना
घर से निकलना काम पर
और काम से लौटकर घर जाना
सबसे खतरनाक होता है
हमारे सपनों का मर जाना।

'हमारे सपनों का मर जाना' - से अगर यह समझा जाये कि सुख, समृद्धि और शांति की हमारी कामना तक ही हमारा सपना है तो यह गलत है। इसके अतिरिक्त उन्नत पारिवारिक-सामाजिक परिवेश भी हमारा सपना होना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हम और सारे सुख-संसाधन की चाह तो करते हैं पर परिवार, समाज और राष्ट्र की एकता, अखण्डता, सम्प्रभुता के मसले पर कन्नी काट जाते हैं और यही उपेक्षाभाव हमारी जिन्दगी को तबाही की ओर ले जा रहा है। इस तथ्य को हम भुला रहे हैं कि बाहरी ताकतों से लड़ने के लिए भीतरी ताकतों का एकजुट होना पहले जरूरी है। आज हमें बाहरी ताकतों से अधिक अंदरूनी ताकतों से खतरा है। घर-घर में विभीषण पड़े हैं जो अपने स्वार्थ के लिए दुश्मन से मिलने को बेताब रहते हैं। हमारा आदर्श, हमारी नैतिकता और हमारे सिद्धांतों की अहमियत खत्म होती जा रही है।

यह समय है निरपेक्ष चिन्तन का और ऐसी व्यवस्था तैयार करने का जो वर्तमान के धुंधलके में आशा की ज्योति जला सके। निराश हो जाने से काम नहीं चलने वाला। नये सिरे से नई व्यवस्था का सूत्रपात ही एक सुदृढ़ भविष्य का आधार प्रदान करेगा।

आइए हम नव आशा के दीप जलाएं। ●

आधुनिक बनें लेकिन परंपराओं को नहीं छोड़ें

राम अवतार पोद्दार, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

परिवर्तन संसार का नियम है। जो समाज परिवर्तन के अनुरूप अपने को नहीं बदलता उसका विकास अवरुद्ध हो जाता है। जीवंत समाज और जीवंत संस्कृति की यह विशेषता होती है कि उसमें समय के साथ परिवर्तन को स्वीकार किया जाता है और नये विचारों को प्रमुखता दी जाती है।

मारवाड़ी समाज एक जीवंत समाज है। इस समाज में परिवर्तन के मद्देनजर अपने को बदलने की अद्‌भुत क्षमता रही है। यही कारण है कि इस समाज का विकास अब तक अवरुद्ध नहीं हुआ है, बल्कि विज्ञान की नई खोजों से बनी आधुनिक समाज-व्यवस्था में भी यह समाज अपने को पूरी शिद्दत से प्रतिष्ठित करने में सफल है।

आज मारवाड़ी पहले की तरह लकीर के फकीर नहीं रह गये हैं। पारंपरिक व्यापारिक पद्धतियों की जगह नवीन पद्धतियों को आत्मसात् कर जिस तरह उन्होंने विश्व व्यापार में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है उसी तरह पारिवारिक-सामाजिक संरचना में भी नई अवधारणाओं को स्वीकार कर आधुनिक होने का प्रमाण दिया है।

सूचना-तकनीक के इस युग में मारवाड़ी नवीनतम संचार-व्यवस्था के कारिन्दे बनकर उभरे हैं। शिक्षा-दीक्षा के महत्व को अंगीकार कर नई पीढ़ी को पूर्ण शिक्षित बनाने की जो मानसिकता बनी है यह स्तुत्य है। बड़े गर्व के साथ हम कह सकते हैं कि पूरी दुनिया में हमारे परिवार-समाज की प्रतिभा आज अपनी शिक्षा और योग्यता के बूते प्रतिष्ठित हो रही है।

लेकिन आधुनिकता का फैलाव अबतक महानगरों और कस्बों तक ही सीमित है। भारत जैसे विशाल देश में मारवाड़ी सिर्फ महानगरों, शहरों या कस्बों में ही नहीं बल्कि सुदूर गांवों में भी हैं और वे नवीन तकनीकों और व्यवस्थाओं से अछूते हैं। उनके पास ऐसे संसाधन नहीं है जिससे वे अपनी भावी पीढ़ी को आधुनिक व्यवस्था से जोड़ सकें। जब हम समग्र समाज की बात करते हैं तो हमारा यह दायित्व बन जाता है कि हम अपने इन भाइयों के विषय में भी सोचें।

अभी पिछले महीने जब हम भुवनेश्वर में सम्मेलन के 20वें राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित थे तो उड़ीसा के राज्यपाल महामहिम श्री रामेश्वर ठाकुर ने अपने संबोधन में मारवाड़ी समाज के सामाजिक नेतृत्व की खूबियों का वर्णन करते हुए कुछ ऐसे बिन्दुओं को सामने लाकर रखा जिसे हम या तो भूल चुके हैं या जिसकी उपेक्षा की जाती है।

महामहिम के संस्मरण से बहुत कुछ सीखने-समझने का अवसर मिला। एक मारवाड़ी के रूप में हम अपने समाज को जिस रूप में देखते हैं अन्य समाज से संबंधित होकर हमारे समाज के विषय में उनकी दृष्टि वाकई चौंकाने वाली थी। किस तरह पूर्व के हमारे सामाजिक कार्यकर्त्ता व्यापक दृष्टि रखते थे और सिर्फ मारवाड़ी समाज के लिए ही नहीं बल्कि सभी समाजों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहते थे। मारवाड़ी समाज के संस्थानों के लिए अनुदान मांगने वाले दूसरे समाज की संस्थानों के लिए अनुदान मांगते थे।

यह आज के सामाजिक नेतृत्व का मार्गदर्शन करने वाला विचार था। हम भलें कितना ही आधुनिक क्यों न हो जाएं पूर्व के हमारे नेतृत्व की सोच से एकदम इतर होकर चलना हमारे लिए फायदेमंद नहीं है, क्योंकि हमारे पूर्वजों का ज्ञान अनुभवों पर आधारित था। जिन्दगी की सच्चाइयों को जितना वे जानते थे हम नहीं जानते। उस समय आज की तरह संसाधनों का जाल नहीं था। बड़ी मेहनत से उपार्जन करके समृद्धि हासिल की जाती थी। फिर भी हमारे पूर्वज अधिक उदार थे। दान देने में वे कभी पीछे नहीं हटते थे, साथ ही नाम की भूख आज की तरह उन पर हावी नहीं थी। समाज का व्यापक कल्याण उनका मुख्य लक्ष्य था।

आधुनिकता ने जहां हमारी पारिवारिक-सामाजिक व्यवस्था को नया रूप दिया है वहीं बहुत सी विकृतियों को भी बढ़ावा दिया है। ये विकृतियां ऐसी हैं जिन पर काबू पाए बिना भविष्य के सुदृढ़ समाज की संरचना संभव नहीं है। 'खाओ, पीओ, मौज करो' की नीति एक दृष्टि से भले अच्छी लगती हो पर समग्रता में भविष्य की परिकल्पना के लिए यह घातक है। जब तक हम समाज के सभी अंगों को साथ लेकर चलने का मानस नहीं बनाएंगे तब तक संगठित, समाज के निर्माण में सफल नहीं हो सकते। ●

न खाता सही, न बही सही, जो मारवाड़ी कहे, वही सही।

यह हमें अधिक आधारिक समस्या पर लाता है। पहले वर्तमान स्थिति पर विचार करें। इन दिनों में मैंने दो चीजें खरीदीं। बाजार में दो रुपये में मिलने वाली वही वस्तु मुझे कुछ गज दूर थोक बाजार में पांच रुपये में पूरी दर्जन मिल गयी। पांच रुपये में बेचने वाला भी कमाता है। ऐसे में यह जो पांच और चौबीस का अन्तर बिक्री मूल्य में है वह वर्तमान व्यवस्था के शोषण स्वरूप को उजागर करता है। एक और चीज मैं चालीस रुपयों में खरीदकर लाया था - वह प्रदर्शनी में उत्पादकों की अपनी दूकान थी। जो अब मैंने खरीदकर मंगवायी वह पचपन रुपये में आयी। यहां तक समझ में आने की बात थी। परन्तु उस पर बिक्री मूल्य बहत्तर रुपये लिखा था : 55 और 72 के अंतर की चोट मुझे तो नहीं लगी, लेकिन इसके शिकार बहुत होते होंगे।

बाजार व्यवस्था

बाजार व्यवस्था के आक्रामक होने के पहले की यह समस्या है, जो अब अधिक विकट हुई है कि मुनाफाखोरी में कोई संतुलन और नियंत्रण हो सकता है या नहीं। हमारे वहां महाभारत में तुलाधार की कथा है, जिसे व्यवस्थित, समाज-उपकारक और औचित्य-निर्वहक प्रणाली के लिए आदर्श माना जाना चाहिये। उसकी जगह ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाने की जो व्यवस्था बल पकड़ रही है वह तो एक-दूसरे के संहार पर ही निर्भर है। कहने को कह लिया जाता है कि अपनी क्षमता-व्यवस्था-चेष्टा बढ़ाओ, प्रतिस्पर्धा में आओ। लेकिन ऐसा संहारक संघर्ष समानहित और समरसता के अनुकूल नहीं होता।

प्राचीन भारत में, जब भारत को सोने की खान कहा जाता था, जो हमारा स्वर्णकाल था, उसकी बाजार-व्यवस्था पूर्णत: नियंत्रित थी - खुलापन और बराबरी इसमें थी कि उसी व्यवस्था में हर कोई अधिक मानवीय गुण दिखा सकता था : इससे समाज सधता था, व्यक्ति ऊपर उठता था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र देखें तो उसमें स्पष्ट निर्धारण है कि किस वस्तु की बिक्री से कितने प्रतिशत लाभ अर्जित किया जा सकता था। ध्यान रहे, कौटिल्य प्रथम निर्धारक नहीं था : पहले से प्रचलित प्रबंध का उसने परिमार्जन किया था। इस तरह मालूम होता है कि हर व्यापार से लाभ का अंश सुनिश्चित रखने का प्रबंध भारत में पुराना था। और उसके बिना भारत में अब भी सर्वांगीण समुन्नति नहीं हो सकती।'

मारवाड़ी सम्मेलन को अपने यहां एक शोध प्रकोष्ठ स्थापित करना चाहिये जो भारत के अनुभवों का आधुनिक प्रतिपादनों के संदर्भ में परीक्षण करें। हम अतीत को मिटाकर अपने कदमों के लिए मजबूत जमीन नहीं प्राप्त कर सकते। ●

राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कार

स्व. श्री सीतारामजी रूंगटा की स्मृति में उनके सुपुत्र श्री नन्दलाल रूंगटा (चाई बासा) भूतपूर्व अध्यक्ष बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राजस्थानी भाषा की श्रीवृद्धि एवं प्रोत्साहन हेतु राजस्थानी साहित्यकारों को देने के लिये उक्त पुरस्कार की स्थापना की गयी है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से अनुरोध है कि 2004-2006 कार्यकाल में उक्त क्षेत्र में कार्य हेतु पुरस्कार के लिये नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को 15 नवम्बर 2006 तक भेजने की कृपा करें।

निर्णायक मंडल

श्री नन्दकिशोर जालान	श्री सीताराम शर्मा
श्री मोहनलाल तुलस्यान	श्री रतनलाल शाह
श्री नन्दलाल रूंगटा	श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल

उक्त पुरस्कार सम्मेलन के स्थापना दिवस समारोह में 25 दिसम्बर 2006 को कोलकाता में दिया जायेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

152-बी, महात्मा गाँधी रोड, कोलकाता-700007

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति 2006-08

राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री सीताराम शर्मा

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री राम अवतार पोद्दार

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री हरिप्रसाद कानोड़िया

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्री नन्दलाल रूंगटा (झारखंड)
श्री राज के. पुरोहित (महाराष्ट्र)
श्री ओंकारमल अग्रवाल (पूर्वोत्तर)
श्री बालकृष्ण गोयनका (तमिलनाडु)
श्री गणेश प्रसाद कन्दोई (उत्कल)

राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

श्री अरुण गुप्ता
श्री रवीन्द्र कुमार लडिया

राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य

श्री मोहनलाल चोखानी
श्री इन्दरचंद संचेती
श्री हरिप्रसाद बुधिया
श्री गौरीशंकर कायां
श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल
श्री श्रवण तोदी
श्री द्वारका प्रसाद डाबड़ीवाल
श्री सज्जन भजनका
श्री मामराज अग्रवाल
श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल
श्री विश्वम्भरदयाल सुरेका
श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया (झारखंड)
श्री आत्माराम सोंथालिया
श्री विश्वनाथ मारोठिया (उत्कल)
श्री जुगलकिशोर जैथलिया
श्री गीतेश शर्मा
श्री बंशीलाल बाहेती
श्री सांवरमल भीमसरिया
श्री वीरेन्द्र प्रकाश धोका (महाराष्ट्र)
श्री बाबूलाल धनानिया
श्री बालकृष्ण माहेश्वरी
श्री ओमप्रकाश पोद्दार
श्री सतीश देवड़ा
श्री सन्तोष जैन
श्री प्रेमचन्द सुरेलिया
श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल (पूर्वोत्तर)
श्री साधुराम बंसल
श्री धर्मचन्द अग्रवाल
श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल
श्री नवल जोशी
श्री प्रदीप ढ़ेढिया
श्री सूर्यकरण सारस्वा
श्री सुभाष मुरारका
श्री रामदयाल मस्करा (बिहार)
श्री मोजीराम जैन (उत्कल)
श्री सुबीर पोद्दार
श्री आनन्द सुरेका
श्री रामपाल अग्रवाल 'नूतन' (बिहार)
श्री बालकृष्ण दास मूंधड़ा
श्री हरिकृष्ण चौधरी

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री (पदेन)

श्री नन्दकिशोर जालान (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)
श्री हरिशंकर सिंहानिया (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)
श्री हनुमान प्रसाद सरावगी (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)
श्री मोहनलाल तुलस्यान (निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष)
श्री दीपचंद नाहटा (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री)
श्री रतनलाल शाह (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री)
श्री भानीराम सुरेका (पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री)

कार्यकारिणी सदस्यगण....

प्रांतीय अध्यक्ष एवं महामंत्री (पदेन)

श्री रमेश कुमार बंग (अध्यक्ष, आंध्र प्रदेश)	श्री नरेश कुमार विजयवर्गीय (महामंत्री, आंध्र प्रदेश)
श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला (अध्यक्ष, बिहार)	श्री कमल नोपानी (महामंत्री, बिहार)
श्री गोविन्दप्रसाद डालमिया (अध्यक्ष, झारखंड)	श्री धरमचंद जैन 'रारा' (महामंत्री, झारखंड)
श्री मुकुंददास माहेश्वरी (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश)	श्री रमेश कुमार गर्ग (महामंत्री, मध्य प्रदेश)
श्री रमेशचंद गोपीकिशन बंग (अध्यक्ष, महाराष्ट्र)	श्री ललित सकलचन्द गाँधी (महामंत्री, महाराष्ट्र)
श्री विजय कुमार मंगलुनिया (अध्यक्ष, पूर्वोत्तर)	श्री बजरंगलाल नाहटा (महामंत्री, पूर्वोत्तर)
श्री कैलाशमल दुगड़ (अध्यक्ष, तमिलनाडु)	श्री विजय गोयल (महामंत्री, तमिलनाडु)
श्री सुरेन्द्र कुमार डालमिया (अध्यक्ष, उत्कल)	श्री शिवकुमार अग्रवाल (महामंत्री, उत्कल)
श्री सोमप्रकाश गोयनका (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश)	श्री गोपाल सूतवाला (महामंत्री, उत्तर प्रदेश)
श्री लोकनाथ डोकानिया (अध्यक्ष, प. बंगाल)	श्री गोपाल अग्रवाल (महामंत्री, प. बंगाल)

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री 'युवामंच' एवं 'महिला सम्मेलन' (पदेन)

श्री अनिल जाजोदिया (राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा मंच)	श्री मनमोहन लोहिया (राष्ट्रीय महामंत्री, युवा मंच)
श्रीमती अरूणा जैन (राष्ट्रीय अध्यक्षा, महिला सम्मेलन)	श्रीमती उषा परसरामपुरिया (राष्ट्रीय महामंत्री, महिला सम्मेलन)

स्थायी समिति 2006–08

केन्द्रीय सम्मेलन के सभी पदाधिकारी स्थायी समिति के पदेन सदस्य होंगे।

श्री संतोष सराफ	श्री गोबिन्द राम धानेवाला (अग्रवाल)	श्री गोपाल अग्रवाल
श्री जगदीश मूंधड़ा	श्री विश्वनाथ भुवालका	श्री विश्वनाथ चांडक
श्री श्यामलाल डोकानिया	श्री रामचन्द बड़पोलिया	श्री ओम लडिया
श्री बनवारीलाल सोती	श्री अरविन्द बियाणी	श्री नवरतनमल सुराणा
श्री गौरीशंकर सिंघानिया	श्री देवेन्द्र कुमार दुगड़	श्री जयगोविन्द इन्दोरिया
श्री मुकुन्द राठी	श्री दिलीप गोयनका	श्री शम्भु चौधरी
श्री गिरधारीलाल झुनझुनवाला	श्री नारायण जैन	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल

विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री राजीव माहेश्वरी, श्री सन्तोष हरलालका, श्री चम्पालाल सरावगी, श्री श्रीभगवान खेमका, श्री विश्वनाथ सराफ, श्री प्रकाश चण्डालिया, श्री मदन गोयल, श्री विश्वनाथ सुल्तानिया, श्री बिमल कुमार चौधरी, श्री विनोद कुमार सराफ, श्री मुकेश खेतान, श्री अनिल डालमिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
उप–समितियाँ 2006–08

- सम्मेलन अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार एवं कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया सभी उप–समितियों के पदेन सदस्य रहेंगे।
- प्रत्येक उप–समिति को अपना संयोजक चुनने एवं नये सदस्य आमंत्रित करने का अधिकार है।

कार्यक्रम

अध्यक्ष : श्री सज्जन भजनका

सदस्य :
श्री सन्तोष सराफ
श्री सुभाष मुरारका
श्री पदम कुमार अग्रवाल
श्री पवन जैन
श्री सुबीर पोद्दार
श्री हरिकृष्ण चौधरी
श्री विश्वनाथ भुवालका
श्री गोपाल अग्रवाल
श्री बनवारीलाल सोती
श्री मदन गोयल

समाज सुधार

अध्यक्ष : श्री मोहनलाल चोखानी

सदस्य :
श्री जुगलकिशोर जैथलिया
श्री गीतेश शर्मा
श्री ओंकारमल अग्रवाल
श्री रतन शाह
श्री दीपचन्द नाहटा
श्री गौरीशंकर कायां
श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल
श्री धर्मचन्द अग्रवाल
श्री चम्पालाल सरावगी
श्री श्यामलाल डोकानिया
श्री लोकनाथ डोकानिया
श्री सन्तोष जैन

सम्मेलन भवन

अध्यक्ष : श्री हरिप्रसाद कानोड़िया

सदस्य :
श्री श्रवण कुमार तोदी
श्री विश्वम्भरदयाल सुरेका
श्री हरिप्रसाद बुधिया
श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल
श्री मोहनलाल तुलस्यान
श्री द्वारका प्रसाद डाबरीवाल
श्री इन्दरचन्द संचेती
श्री नन्दलाल रूंगटा
श्री गौरीशंकर कायां

समाज विकास

अध्यक्ष : श्री नन्दकिशोर जालान

सदस्य :
श्री नथमल केडिया
श्री श्यामसुन्दर बगड़िया
श्री गौरीशंकर कायां
श्री प्रमोद शाह
श्री बंशीलाल बाहेती
श्री शम्भू चौधरी
श्री भानीराम सुरेका
श्री सांवरमल भीमसरिया

राजनैतिक चेतना

अध्यक्ष : श्री जुगलकिशोर जैथलिया

सदस्य :
श्री सांवरमल भीमसरिया
श्री अरुण गुप्ता
श्री ओमप्रकाश पोद्दार
श्री जयगोविन्द इन्दोरिया
श्री बंशीलाल बाहेती
श्री नवल जोशी
श्री नारायण प्रसाद जैन
श्री गिरधारीलाल झुनझुनवाला
श्रीमती मीना पुरोहित
श्री शांतिलाल जैन

अर्थ

अध्यक्ष : श्री इन्दरचंद संचेती

सदस्य :
श्री नन्दलाल रूंगटा
श्री बालकृष्ण गोयनका
श्री गणेश कन्दोई
श्री मोहनलाल तुलस्यान
श्री रामदयाल मस्करा
श्री आत्माराम सोंथालिया
श्री सतीश देवड़ा
श्री सुबीर पोद्दार
श्री जगदीश मूंधड़ा
श्री नवरतनमल सुराणा
श्री देवेन्द्र कुमार दुगड़

'मिलनी सबकी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया'

सदस्यता अभियान

अध्यक्ष : श्री आत्माराम सोंथालिया

सदस्य :
- श्री रवीन्द्र कुमार लड़िया
- श्री बाबूलाल धनानिया
- श्री ओमप्रकाश पोद्दार
- श्री बालकृष्ण माहेश्वरी
- श्री लोकनाथ डोकानिया
- श्री गोविन्द राम धानेवाला
- श्री ओम लडिया
- श्री विश्वनाथ भुवालका
- श्री सन्तोष हरलालका
- श्री गणेश प्रसाद कन्दोई
- श्री सतीश देवड़ा
- श्री आनन्द सुरेका
- श्री ओमप्रकाश अग्रवाल
- श्री श्रीभगवान खेमका

प्रेस एवं जनसम्पर्क

अध्यक्ष : श्री संतोष जैन

सदस्य :
- श्री अरुण गुप्ता
- श्री राजेन्द्र खण्डेलवाल
- श्री प्रकाश चण्डालिया
- श्री सन्तोष सराफ
- श्री प्रदीप ढेढिया
- श्री सुभाष मुरारका
- श्री हेम शर्मा
- श्रीमती राजप्रभा दसानी
- श्रीमती कुसुम जैन

उच्च शिक्षा न्यास

अध्यक्ष : श्री प्रह्लाद राय अग्रवाल

सदस्य :
- श्री मामराज अग्रवाल
- श्री हरिप्रसाद बुधिया
- श्री विश्वम्भरदयाल सुरेका
- श्री सतीश देवड़ा
- श्री रतन शाह
- श्री हरिकृष्ण चौधरी
- श्री नन्दलाल रूंगटा
- श्री गौरीशंकर कायां
- श्री सज्जन भजनका

साहित्य-संस्कृति

अध्यक्ष : श्री बालकृष्ण दास मुंधड़ा

सदस्य :
- श्री सुभाष मुरारका
- श्री विश्वनाथ चाण्डक
- श्री मुकुन्द राठी
- श्री राजीव माहेश्वरी
- श्री नवल जोशी
- श्री सुबीर पोद्दार
- श्री नीलमणि राठी
- श्री सुरेन्द्र तुलस्यान
- श्रीमती कुसुम मुसद्दी
- श्री प्रताप दुगड़

युवा - महिला

अध्यक्ष : श्री प्रमोद शाह

सदस्य :
- श्री गोपाल अग्रवाल
- श्री रवीन्द्र कुमार लडिया
- श्री ओमप्रकाश अग्रवाल
- श्री ओम लडिया
- श्री ओमप्रकाश पोद्दार
- श्री आनन्द सुरेका

सदस्य :
- श्रीमती प्रेमलता खण्डेलवाल
- श्रीमती विमला डोकानिया
- श्रीमती कुसुम जैन
- श्री सुभाष मुरारका
- श्री विश्वनाथ सराफ
- श्री सतीश देवड़ा
- श्री प्रेमचन्द सुरेलिया

न खाता सही, न बही सही, जो मारवाड़ी कहे, वही सही।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रथम कार्यकारिणी समिति की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

१. अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की नवगठित **राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति** की प्रथम बैठक **दिनांक ५ सितम्बर २००६ मंगलवार** को **सायं ६.०० बजे मारवाड़ी सम्मेलन भवन, कोलकाता** में सम्पन्न हुई। बैठक में २६ सदस्य उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन सभापति **श्री सीताराम शर्मा** ने की।

२. महामंत्री **श्री राम अवतर पोद्दार** ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए १३ जून को नागपुर में हुई अखिल भारतीय समिति की बैठक में श्री सीताराम शर्मा को सम्मेलन के १६वें अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से निर्वाचित किये जाने तथा ५-६ अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित २०वें राष्ट्रीय अधिवेशन में नये अध्यक्ष द्वारा पदभार ग्रहण करने एवं अधिवेशन द्वारा प्रदत्त अधिकार के अनुसार सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति का मनोनयन कर आज कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक के आयोजन का उल्लेख किया। पदाधिकारियों द्वारा स्वपरिचय के पश्चात् श्री पोद्दार ने गत बैठक (१० मई २००६) की कार्यवाही प्रस्तुत की जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। महामंत्री श्री पोद्दार ने आगे के विचारार्थ विषयों को प्रस्तुत करने के लिए अध्यक्ष श्री शर्मा से अनुरोध किया।

३. भावी कार्यक्रम

समाज सुधार एवं समरसता को इस सत्र का नारा बताते हुए अध्यक्ष श्री शर्मा ने मार्च २००७ तक के निम्नलिखित प्रस्तावित भावी कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की :-

(क) ४-५ नवम्बर २००६ कोलकाता में प्रान्तीय सम्मेलनों के अध्यक्षों/मंत्रियों एवं कोषाध्यक्षों का राष्ट्रीय **'चिन्तन शिविर'** जिसमें

नयी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक में पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति का एक अंश – बायें से सर्वश्री सुबीर पोद्दार, द्वारका प्रसाद डाबरीवाल, अरुण गुप्ता (राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री), मोहनलाल तुलस्यान (निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष), हरिप्रसाद कानोड़िया (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा, राम अवतार पोद्दार (राष्ट्रीय महामंत्री), रवीन्द्र कुमार लड़िया (राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री), विश्वम्भर दयाल सुरेका, इन्द्रचंद संचेती, हरिप्रसाद बुधिया आदि।

कार्यकारिणी की बैठक...

नयी राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता करते हुए नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा। साथ में हैं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोहनलाल तुलस्यान, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री अरुण पुसा, द्वारका प्रसाद डाबरीवाल, सुबीर पोद्दार आदि।

सम्मेलन के भावी सांगठनिक एवं कार्यक्रमों की दिशा पर विचार-विमर्श किया जायेगा। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया जायेगा।

(ख) स्थापना दिवस समारोह २५ दिसम्बर २००६ - प्रत्येक वर्ष की भांति राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं जिला स्तर पर सम्मेलन के स्थापना दिवस का पालन किया जायेगा। इस अवसर पर समाज को मारवाड़ी सम्मेलन से और अधिक जोड़ने के लिए घर-परिवार के कलाकार बच्चों-बच्चियों द्वारा सामाजिक विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया है।

इस अवसर पर सम्मेलन के मुखपत्र '**समाज विकास**' का एक विशेषांक प्रकाशित किया जायेगा। सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों से अनुरोध किया गया कि वे अपने प्रान्त की गतिविधियों की सचित्र रपट प्रकाशनार्थ २५ नवम्बर २००६ तक भेजने की कृपा करें।

स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन द्वारा स्थापित **श्री भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार** एवं **स्व. सीताराम रूंगटा राजस्थानी साहित्य पुरस्कार** प्रदान करने का निर्णय लिया गया। निर्णायक मंडल एवं नाम आमंत्रित करने संबंधी सूचना जो समाज विकास में प्रकाशित की जा रही है उसका अगले अंकों में प्रकाशन जारी रखने का भी निर्णय लिया गया।

(ग) कोलकाता में मारवाड़ी सम्मेलन भवन शिलान्यास समारोह- १४ से २१ नवम्बर २००६ के बीच करने का निर्णय लिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा ने जानकारी दी कि उनकी गत दिल्ली यात्रा के दौरान उप-राष्ट्रपति श्री भैरोंसिंहजी शेखावत से मुलाकात में उप-राष्ट्रपति जी ने शिलान्यास के लिए अपनी सहमति प्रदान करते हुए उक्त तिथियों के बीच कोलकाता में कार्यक्रम आयोजन का सुझाव दिया है।

(घ) मारवाड़ी सम्मेलन राजनैतिक कार्यकर्त्ता सम्मेलन (मार्च-अप्रैल २००७, नयी दिल्ली)- २०वें राष्ट्रीय अधिवेशन में लिये गये निर्णय के संदर्भ में कि समाज की राजनीति में भागीदारी बढ़नी चाहिए उक्त सम्मेलन करने का निर्णय कार्यकारिणी ने लिया है। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में सभी भूतपूर्व मारवाड़ी सांसद, विधायक एवं पार्षद को सम्मिलित करने का विचार है।

उक्त सभी कार्यक्रमों के लिए उप-समितियां गठित करने का निर्णय लिया गया जो विस्तृत रूपरेखा तैयार कर कार्यक्रमों के आयोजन का काम हाथ में लेगी।

४. समाज सुधार

सम्मेलन के समाज सुधार के कार्यक्रमों में आयी शिथिलता एवं कमियों को दूर कर समाज सुधार के लिए सक्रिय कार्यक्रम हाथ में लेने का निर्णय लिया गया। इस संदर्भ में विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों की बैठक कर उनके सुझाव एवं आम सहमति और स्वीकृति से शादी-विवाह के लिए आचार-संहिता तैयार करने का निर्णय लिया गया। सभी के लिए मिलनी चार रुपया निर्धारित करने के लिए एक नारा दिया गया है-

'मिलनी सबकी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया।'

श्री गीतेश शर्मा ने सम्मेलन के कार्यकर्त्ताओं द्वारा चलाये गये समाज-सुधार आन्दोलन के जिक्र में कहा कि एक समय शादी-विवाह में सिर्फ पेय पदार्थ परोसे जाते थे, कार्ड की जगह अखबारों द्वारा सूचना प्राप्त होती थी तथा आयोजनकर्त्ता संस्थाओं को आर्थिक अनुदान देते थे। **श्री जुगलकिशोर जैथलिया** ने अपने सुझाव में कहा कि उन लोगों के साथ बैठक की जाए जो समाज सुधार के क्षेत्र में सक्रिय और लोकप्रिय हैं तथा जिनकी

कार्यकारिणी की बैठक...

कथनी एवं करनी में कोई अन्तर नहीं है।

५. प्रस्तावित बजट २००६-०७

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री हरिप्रसाद कानोड़िया** ने बजट के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में केन्द्रीय सम्मेलन की खर्च करीब १ लाख रुपया प्रतिमाह है जबकि आय करीब ४५ हजार रुपये है। सालाना घाटा वर्तमान में करीब ६-७ लाख रुपये हैं जिसे विशेष अनुदान अथवा समाज विकास के विशेषांकों में अतिरिक्त विज्ञापनों के माध्यम से पूरा करने का प्रयास किया जाता है।

श्री कानोड़िया ने कहा कि कोलकाता के बड़ाबाजार में स्थित केन्द्रीय कार्यालय की जरूरी मरम्मत आदि का काम हाथ में लिया जा रहा है एवं नये कार्यक्रमों को देखते हुए केन्द्रीय सम्मेलन का मासिक खर्च बढ़ कर करीब २ लाख रुपये के आसपास का हो जायेगा। समाज विकास का मुखपृष्ठ आर्ट पेपर में छपना आरम्भ हुआ है एवं अन्दर के कागज एवं साइज में भी परिवर्तन किया गया है। उन्होंने नये आर्थिक संसाधनों पर जोर दिया।

६. सम्मेलन भवन :

कार्यकारिणी ने निर्णय लिया कि सम्मेलन भवन के निर्माण कार्य को तेजी से हाथ में लिया जाये एवं १४ से २१ नवम्बर २००६ के बीच शिलान्यास करने पर सहमति हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शर्मा ने जानकारी दी कि गत बैठकों में यह निर्णय लिया गया है कि वर्तमान ढांचे को तोड़कर नये भवन का निर्माण किया जाये। उन्होंने सम्मेलन की जरूरतों को पूरा करने के लिए भवन में निम्नलिखित प्रावधानों का प्रस्ताव रखा-(१) ३०० सीटों का एक सभागार, (२) ८० सीटों का एक गोलमेज हॉल, (३) पुस्तकालय, (४) सम्मेलन कार्यालय, (५) सात डबल बेड रूम का गेस्ट हाऊस, (६) ट्रेनिंग कार्यशाला एवं प्रदर्शनी गैलेरी कक्ष एवं (७) कार पार्किंग २०-३० कारों के लिए।

इसके अलावा उपलब्ध स्थान का उपयोग अतिरिक्त आय के लिए किया जाना चाहिए जिससे सम्मेलन की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

कोषाध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन के प्रबन्धक ट्रस्टी श्री हरिप्रसाद कानोड़िया ने उक्त जरूरतों के आधार पर तैयार भवन की एक रूपरेखा प्रस्तुत की जिसके अनुसार पांच तल्ला का मकान बनाया जा सकता है।

भवन के विषय पर **सर्वश्री विश्वम्भर दयाल सुरेका, द्वारकाप्रसाद डाबड़ीवाल, प्रह्लाद राय अग्रवाल, हरिप्रसाद बुधिया, इन्द्रचंद संचेती** आदि ने अपने बहुमूल्य विचार रखे। **श्री बाबूलाल धनानिया** ने जानना चाहा कि भवन पर कुल खर्च कितना बैठेगा एवं इसकी व्यवस्था कैसे की जायेगी। श्री शर्मा ने कहा कि एक बार नक्शा तैयार होने के बाद कुल खर्च का सही अनुमान लगाया जा सकता है एवं भवन के लिये धन-संग्रह के लिये विभिन्न प्रस्ताव विचाराधीन हैं। इस पर अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया है। एक प्रस्ताव है कि ३० व्यक्तियों से १० लाख रुपये प्रति के हिसाब से अनुदान लिया जा सकता है, जिससे ३ करोड़ रुपया इकट्ठा किया जा सके। इस संदर्भ में उन्होंने जानकारी दी कि उप-सभापति **श्री नन्दलाल रूंगटा**, चाईबासा एवं भूतपूर्व महामंत्री **श्री दीपचन्द नाहटा** ने गत बैठक में १०-१० लाख की राशि के अनुदान की घोषणा की थी। एक दूसरा प्रस्ताव है कि भवन के विभिन्न भागों (सभागार, पुस्तकालय आदि) का अलग-अलग राशि के आधार पर सौजन्यता से निर्माण किया जाये। इस विषय पर आगामी बैठकों में विस्तृत चर्चा की जायेगी।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की आगामी बैठक 14 अक्टूबर 2006 को

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आगामी बैठक ***शनिवार, 14 अक्टूबर 2006*** *को* ***सायं 4 बजे सम्मेलन भवन,*** *अम्हर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।*

ज्ञात रहे कि वर्तमान सत्र की नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक पिछले महीने 5 सितम्बर को आयोजित की गयी थी जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये थे।

७. सदस्यता शुल्क :

बढ़ते खर्च, सम्मेलन की आर्थिक स्थिति एवं अन्य संस्थाओं के शुल्कों को देखते हुए कोषाध्यक्ष श्री कानोड़िया ने प्रस्तावित किया कि सम्मेलन की विशिष्ट सदस्यता शुल्क को वर्तमान में २५० रुपये से बढ़ाकर ५०० रुपये प्रतिवर्ष एवं आजीवन सदस्यता शुल्क को २५०० रुपये से बढ़ाकर ५००० रुपये कर दिया जाये। इस प्रस्ताव पर **उपाध्यक्ष सर्वश्री गणेश कन्दोई, श्री लोकनाथ डोकानिया, प्रदीप ढेडिया, रतन शाह, जुगल किशोर जैथलिया** सहित कई सदस्यों ने अपने विचार रखे। विचार-विमर्श के उपरान्त उक्त प्रस्ताव

कार्यकारिणी की बैठक...

को सर्वसम्मति से पारित किया गया।

८. सदस्यता अभियान :

सम्मेलन की सीधी सदस्यता जो कि फिलहाल करीब ६ हजार है को दो वर्षों में १० गुणा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। हर प्रांतों की अलग-अलग अपनी सदस्यता है।

वर्तमान में सम्मेलन की १० प्रांतों - **बिहार, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु** में शाखाएँ हैं। गुजरात, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तरांचल एवं छत्तीसगढ़ में नयी शाखाएं खोलनी है। सदस्यों से अनुरोध किया गया कि उपरोक्त ५ प्रांतों में इस कार्य को आगे बढ़ा सके। अपने परिचित ऐसे व्यक्तियों का सुझाव अध्यक्ष को दें ताकि उनसे सम्पर्क किया जा सके। युवा मंच एवं महिला सम्मेलन से भी पूर्ण सहयोग मिलने की उम्मीद की गयी।

भुवनेश्वर अधिवेशन में अध्यक्ष के प्रस्ताव पर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष/अध्यक्षा एवं मंत्रियों को सम्मेलन की बैठकों में आमंत्रित करने का निर्णय लागू कर दिया गया है। प्रांतीय सम्मेलनों से भी अनुरोध किया गया है कि अपनी कार्यकारिणी की बैठक में पदेन रूप में इन्हें आमंत्रित करें।

प्रांतीय पदाधिकारियों के साथ चिंतन शिविर

4-5 नवम्बर 2006, कोलकाता

विचारार्थ विषय

1. सम्मेलन को मारवाड़ी समाज की सही मायने में प्रतिनिधि संस्था के रूप में स्थापित करने के लिये संगठन एवं सदस्यता संबंधी प्रस्ताव।
2. 21वीं शताब्दी में सम्मेलन की प्रासंगिकता को बनाये रखने के लिए उसकी दिशा एवं कार्यक्रम तथा उनकी प्राथमिकताएँ।

उपरोक्त विषयों पर अपने लिखित विचार केन्द्रीय कार्यालय को 20 अक्टूबर तक भेजने की कृपा करें।

सभी प्रांतीय सम्मेलन के अध्यक्ष, मंत्री एवं कोषाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य शिविर में भाग लेंगे।

९. बैठक में नये हस्ताक्षर सम्बन्धी प्रस्ताव:

नये पदाधिकारियों के चुनाव के संदर्भ में सम्मेलन, समाज विकास आदि के विभिन्न बैंक खातों में नये हस्ताक्षर सम्बन्धी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये।

१०. फाउण्डेशन में सम्मेलन के ट्रस्टी :

मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन जो सम्मेलन का ट्रस्ट है, उसमें ट्रस्ट डीड के प्रावधान के अनुसार सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महामंत्री पदेन सदस्य रहते हैं। उक्त प्रावधान के अन्तर्गत ट्रस्ट के प्रबन्धक ट्रस्टी ने जानकारी दी कि नये निर्वाचित अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं नये महामंत्री श्री रामअवतार पोद्दार ने फाउण्डेशन का पदेन ट्रस्टी का भार ले लिया है।

अध्यक्ष श्री शर्मा ने जानकारी दी कि ट्रस्ट डीड में प्रावधान के अन्तर्गत उक्त पदेन ट्रस्टियों के अतिरिक्त सम्मेलन की कार्यकारिणी को देश के पूर्वी, पश्चिमी एवं दक्षिण क्षेत्र से तीन अन्य ट्रस्टियों को मनोनीत करने का अधिकार है। वर्तमान में गत कार्यकारिणी द्वारा मनोनीत निम्न तीन व्यक्ति फाउण्डेशन में ट्रस्टी हैं - श्री नन्दलाल रूंगटा (झारखंड), डॉ. रामविलास साबू (आंध्र प्रदेश), डॉ. जयप्रकाश मूंधड़ा (महाराष्ट्र)। इनके स्थान पर राष्ट्रीय अधिवेशन के उपरान्त गठित नयी कार्यकारिणी समिति को तीन नये ट्रस्टी मनोनीत करने हैं। अध्यक्ष के प्रस्ताव पर निम्नलिखित व्यक्तियों को फाउण्डेशन में नये ट्रस्टी के रूप में कार्यकारिणी ने मनोनीत किया-(१) श्री नन्दलाल रूंगटा (चाईबासा), (२) श्री बालकृष्ण गोयनका (चेन्नई), (३) श्री मुकुन्ददास माहेश्वरी (जबलपुर)। इनका कार्यकाल वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल तक रहेगा।

११. उच्च शिक्षा कोष:

अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कई प्रान्तों में शिक्षा कोष कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर एक उच्च शिक्षा कोष स्थापना का कार्यक्रम है जो स्नातकोत्तर उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। इसकी एक विस्तृत रूपरेखा अगली बैठक में प्रस्तुत की जाएगी।

१२. अखिल भारतीय समिति का गठन:

राष्ट्रीय अधिवेशन के उपरान्त संविधान के विभिन्न प्रावधानों के अनुसार नयी अखिल भारतीय समिति का निर्वाचन किया जाता है। अखिल भारतीय समिति सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार को नयी अखिल भारतीय समिति के गठन के लिए आवश्यक कार्य करने का अधिकार एवं निर्देश दिया गया।

अध्यक्ष को धन्यवाद के उपरान्त बैठक समाप्त हुई। ●

सदस्यता शुल्क में बढ़ोत्तरी

दिनांक : 11 सितम्बर 2006

प्रिय बंधु,

आप सब मित्रों के सुचिंतित और आर्थिक सहयोग से सम्मेलन पिछले 70 वर्षों से सफलता के साथ सामाजिक सुधार एवं सामाजिक विकास का कार्य करता रहा है। पिछले वर्षों में सभी क्षेत्रों में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है जिसके कारण सम्मेलन की आर्थिक स्थिति में कई प्रकार की रुकावटें पैदा होती रही हैं। यद्यपि प्रायः सभी संस्थाओं ने अपने वार्षिक एवं आजीवन सदस्यता शुल्क में लगभग पांच-छह गुना की वृद्धि कर दी है तथापि सम्मेलन ने यथासाध्य उस रूपक को अब तक नहीं अपनाया था, लेकिन हर क्षेत्र में दिनोदिन बढ़ते खर्च के कारण सम्मेलन को अब विवश होकर अपना वार्षिक विशिष्ट सदस्यता शुल्क 250/- रुपये की जगह पर 500/- रुपये और आजीवन सदस्य शुल्क 2500/- रुपये की जगह 5000/- रुपये करना पड़ रहा है। इस परिवर्तन को तत्काल से लागू कर दिया गया है।

सम्मेलन द्वारा आने वाले समय में समय की आवश्यकतानुसार कई महत्वपूर्ण कार्य अपनाये जा रहे हैं जिसकी सूचना 'समाज विकास' एवं अन्य माध्यमों से आपको मिलती रहेगी।

आशा है इसे आप भी अनिवार्य समझेंगे और अपना सहयोग हमेशा की तरह निरंतर देकर सम्मेलन की आवश्यकताओं की पूर्ति में अपना योगदान देते रहेंगे।

सधन्यवाद।

आपका

राम अवतार पोद्दार

राष्ट्रीय महामंत्री

'मिलनी सबकी चार रुपया,
चाँदी छोड़ कागज का रुपया'

का नारा

मारवाड़ी सम्मेलन की एक सामयिक शुरुआत

मोहनलाल चोखानी, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य

गत 5 सितम्बर 2006 को राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की प्रथम बैठक हुई, जिसका विवरण मैंने पढ़ा। यह जानकर मुझे हर्ष हुआ कि गत 20 वर्षों से निष्क्रिय प्राय: समाज सुधार के कार्यक्रम को नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सीताराम जी शर्मा ने इस सत्र में विशेष स्थान दिया है, जो समाज के सामने एक ज्वलंत प्रश्न है। आपको शायद स्मरण होगा कि सन् 1986 में मैंने 'सामाजिक संचेतना समिति' के अध्यक्ष पद से अत्यंत दु:ख के साथ त्यागपत्र दे दिया था, उसके पश्चात यह विभाग बिल्कुल निष्क्रिय मड़ा है, केवल नियमानुसार प्रस्ताव पारित करते रहने के सिवाय कोई भी सक्रिय कदम नहीं उठाया गया। मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग कुरीतियों की मार मूक होकर सहन कर रहे हैं।

आपने मिलनी के चार रुपये, चांदी के प्रचलन के विरुद्ध आवाज उठायी, यह शुरुआत बहुत ही सामयिक है। इस विषय में मैं कार्यकारी सुझाव आपको शीघ्र दे दूंगा, कारण एक एवं दो रुपये के नोट जुगाड़ करना भी एक दुष्कर कार्य हो गया है। अगर सही रास्ता निकाला जायेगा तो सारे देश में बसे करोड़ों मारवाड़ी परिवार इसे मानने में पीछे नहीं हटेंगे। केवल आवश्यकता है सम्मेलन द्वारा शुरुआत एवं नारा की।

आपको जानकर खुशी होगी कि मैं विगत 40-50 वर्षों से चार रुपये के नोट ही लेता हूँ और देता आया हूँ।

कुछ मेहनत मंत्री महोदय को करनी होगी। दूसरे ढंग के सिक्के भी टकसाल निकालती है, जो मैंने देखा था। उनसे सलाह-मशविरा करके दूसरे सिक्के की बात करनी होगी, जो एक परिमाण में ढाल देंगे। सिक्के का एक डिजाईन हम पास कर दें तो सारे लोग मिलनी में उन सिक्कों को काम में लेने लगेंगे। ●

भंवरमल सिंघी समाज सेवा पुरस्कार

सम्मेलन के भूतपूर्व अध्यक्ष स्मृति में गठित 'भंवरमाल सिंघी समाज सेवा न्यास' द्वारा समाज सेवा विशेषकर समाज सुधार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिये समाज सेवा पुरस्कार दिया जाता है।

प्रादेशिक सम्मेलनों, शाखा सभाओं एवं सदस्यों से अनुरोध है कि 2004-2006 कार्यकाल में समाज सेवा कार्य के लिये उपयुक्त नाम प्रस्तावित कर केन्द्रीय कार्यालय को 15 नवम्बर 2006 तक भेजने की कृपा करें।

निर्णायक मंडल

श्री नन्दकिशोर जालान	**श्री सीताराम शर्मा**	**श्री मोहनलाल तुलस्यान**
श्री हरिप्रसाद बुधिया	**श्री मोहनलाल चोखानी**	**श्री गौरीशंकर कायां**

उक्त पुरस्कार सम्मेलन के स्थापना दिवस समारोह में 25 दिसम्बर को कोलकाता में प्रदान किया जायेगा।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
कोलकाता : विधायक दिनेश बजाज का सम्मान

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा विधायक श्री दिनेश बजाज के सम्मान समारोह में मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध युवा उद्योगपति श्री हर्षवर्द्धन नेवटिया माईक पर बोलते हुए। मंच पर बैठे हैं सभा के संचालनकर्त्ता व सम्मेलन के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम सुरेका, विधायक श्री दिनेश बजाज, सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नवनिर्वाचित सभापति श्री मोहनलालजी तुलस्यान व श्री सीतारामजी शर्मा, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार।

29 जुलाई। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा समाज के युवा एवं कर्मठ सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री दिनेश बजाज के पश्चिम बंगाल विधानसभा में विधायक निर्वाचित होने के उपलक्ष में एक सम्मान समारोह भारतीय भाषा परिषद सभागार में किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के तत्कालीन सभापति श्री मोहनलाल तुलस्यान ने समाज की वर्तमान धारा को सकारात्मक रूप में परिवर्तित करने की आवश्यकता बतायी। समारोह के मुख्य वक्ता युवा उद्योगपति श्री हर्षवर्द्धन नेवटिया ने कहा कि हमारे पूर्वज वर्षों से बंग भूमि पर रह रहे हैं। हम यहां की सभ्यता एवं संस्कृति से घुलमिल गए हैं। इसके बावजूद मैं अपने आपको मारवाड़ी कहने में गौरवान्वित महसूस करता हूँ। हम लोग राजनीति में जाने में झिझक महसूस करते हैं, अगर इसे तोड़कर राजनीति में समाज के लोग आएँ तो विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

इस अवसर पर सम्मेलन के नवनिर्वाचित सभापति श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि समाज में कुछ ऐसे लोग हैं जो उच्च पद पाने पर अपने को मारवाड़ी समाज से अलग रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी कर्मठता से मारवाड़ियों की पहचान समाज में व्यवसायी के रूप में न होकर सी.ए., डॉक्टर व इंजीनियर आदि के रूप में भी हो रही है। हमें विश्वास है कि दिनेश बजाज विधानसभा में मारवाड़ी समाज के हितों के साथ-साथ पूरे बंगाल की समस्याओं को निर्भीक होकर उठायेंगे।

विधायक श्री दिनेश बजाज ने अपनी विजय का श्रेय अपने पिता श्री सत्यनारायण बजाज को देते हुए कहा कि पिता के रूप में राजनीतिक गुरू के मार्गदर्शन से ही यह जीत संभव हुई है एवं जनता की सेवा करने का मौका मिला है। भले ही मैं राजस्थानी मूल का विधायक हूँ, लेकिन अपने क्षेत्र के हरेक तबके के लोगों को साथ लेकर चलना मेरी पहली प्राथमिकता है।

श्री बजाज का सम्मान राजस्थानी साफा, शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर किया गया। सम्मेलन के तत्कालीन महामंत्री श्री भानीराम सुरेका, संयुक्त महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार आदि सहित श्री बजाज को माल्यभूषित कर स्वागत करने वालों में थे - सर्वश्री अनिल डालमिया, सन्तोष सराफ, गौरीशंकर कांया, बंशीलाल बाहेती, बाबूलाल धनानिया, प्रेमचंद सुरेलिया, अरुण अग्रवाल, राजेन्द्र खण्डेलवाल आदि। मंच संचालन श्री भानीराम सुरेका ने एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री सांवरमल भीमसरिया ने किया।

दहेज एक दण्डनीय अपराध

दहेज मांगना एवं दहेज लेना, दहेज देना कानून प्रतिबन्धित है। पांच वर्ष की अवधि तक के लिए कठोर कारावास से दण्डनीय है। फिर भी यह सब कुछ सामान्य सामाजिक प्रक्रिया की तरह चलता आ रहा है। किसी को न किसी कानून का भय है, न जेल की यात्रा करने का डर है। सब कुछ निडर एवं निर्भय होकर मांगा जाता है और दिया जाता है। लेन-देन की प्रक्रिया खुलेआम सगे-सम्बन्धियों के बीच होती है। न कोई आपत्ति उठाने वाला होता है और न कोई चिन्ता जताने वाला होता है।

-रामगोपाल बागला

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों का सम्मान

25 सितम्बर 2006 की सायं 5.30 बजे कलकत्ता चेम्बर ऑफ कामर्स में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नये पदाधिकारियों श्री सीताराम शर्मा (अध्यक्ष), श्री राम अवतार पोद्दार (महामंत्री) एवं श्री हरिप्रसाद कानोड़िया (कोषाध्यक्ष) को सम्मानित किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री लोकनाथ डोकानिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। श्री डोकानिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा को फूलों का माला पहनाकर, श्री रामनिवास चोटिया (प्रांतीय उपाध्यक्ष) ने पगड़ी और शाल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री डोकानिया ने पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन हमेशा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को सहयोग प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि अम्हर्स्ट स्ट्रीट स्थित सम्मेलन भवन का आधुनिक रूप में निर्माण कर उसमें सम्पूर्ण व्यवस्था की जायेगी, जिससे कि पूरे राष्ट्र से आये सम्मेलन के पदाधिकारियों को सुविधा प्राप्त हो सके। शादी विवाह में फिजूलखर्ची को रोकने एवं चांदी के रुपये व गिन्नी का बहिष्कार करने की आवाज उठायेंगे। सभी प्रांतों का दौरा कर संस्था को मजबूत करने की दिशा में कारगर कदम उठाने की भी उन्होंने घोषणा की। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया को श्री विश्वनाथ भुवालका (प्रांतीय कोषाध्यक्ष) ने शाल और फूलों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर श्री कानोड़िया ने कहा कि हमें समाज के झंडे को उठा कर रखना है एवं इसके लिए उन्होंने सभी से तन-मन-धन से आगे बढ़कर समर्थन देने का आह्वान किया। महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार को श्री विश्वनाथ सराफ द्वारा माला पहनाकर तथा श्री नंदलाल सिंहानिया ने शाल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर श्री रतन शाह (भूतपूर्व राष्ट्रीय महामंत्री व उपाध्यक्ष) एवं श्री नंदकिशोर अग्रवाल का भी स्वागत किया गया। श्री गोपी धुवालिया ने श्री सीताराम शर्मा का जीवन परिचय दिया। श्री गोपाल अग्रवाल (प्रांतीय महामंत्री) ने स्वागत गोष्ठी का संचालन किया। इस मौके पर सम्मेलन के सर्वश्री पूरनमल तुलस्यान, जुगराज भादानी, श्यामलाल डोकानिया, अशोक पारख, प्रेमचंद सुरेलिया, आत्माराम तोदी सहित अन्य गणमान्य उपस्थिति थे एवं गोष्ठी को सफल बनाने में अपना योग्यदान दिये।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा को पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते हुए प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री रामनिवास चोटिया।

सम्मान गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा। उपस्थित हैं प्रांतीय अध्यक्ष श्री लोकनाथ डोकानिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रतन शाह।

सम्मान समारोह में अपने विचारों को प्रकट करते हुए राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री हरिप्रसाद कानोड़िया। बैठे हैं प्रांतीय महामंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री लोकनाथ डोकानिया, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार।

मारवाड़ी सम्मेलन भवन उप–समिति गठित
नवम्बर में शिलान्यास की योजना

कोलकाता - सम्मेलन सभापति श्री सीताराम शर्मा ने मारवाड़ी सम्मेलन भवन के निर्माण कार्य की योजना एवं देखरेख के लिये सम्मेलन के कोषाध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन फाउण्डेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री हरिप्रसाद कानोड़िया की अध्यक्षता में एक मारवाड़ी सम्मेलन भवन उपसमिति का गठन किया है। उप समिति के सदस्य हैं- **सर्वश्री श्रवण कुमार तोदी, विश्वम्भर दयाल सुरेका, हरि प्रसाद बुधिया, द्वारका प्रसाद डाबरीवाल, प्रह्लाद राय अग्रवाल, मोहनलाल तुलस्यान, सज्जन भजनका, इन्दरचन्द संचेती एवं नंदलाल रूंगटा। सम्मेलन अध्यक्ष श्री शर्मा, महामंत्री श्री राम अवतार पोद्दार एवं फाउण्डेशन के चेयरमैन श्री नन्दकिशोर जालान पदेन सदस्य हैं।**

उपसमिति की प्रथम बैठक **सोमवार 11 सितम्बर** को दी कॉन्कलेव में हुई जिसमें भवन निर्माण की रूपरेखा एवं योजना पर विस्तृत विचार–विमर्श हुआ। कोलकाता के 25 अम्हर्स्ट स्ट्रीट में 10 कट्ठा जमीन के साथ एक पुराना मकान सन् 2002 में खरीदा गया था, जिसे तोड़कर एक पांच तल्ले के आधुनिक सम्मेलन भवन के निर्माण की योजना है।

अध्यक्ष श्री शर्मा की गत दिल्ली यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के उपराष्ट्रपति श्री भैरोंसिंह जी शेखावत से मुलाकात कर उनसे भवन के शिलान्यास का अनुरोध किया था। श्री शेखावत जी ने 14 से 21 नवम्बर 2006 के बीच कोलकाता पधार कर शिलान्यास रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

भवन में 300 सीटों का एक सभागार, 80 व्यक्तियों के लिए कांफ्रेन्स रूम, एक आर्ट गैलेरी, एक प्रदर्शनी कक्ष, पुस्तकालय, सम्मेलन कार्यालय, सात कमरों का गेस्ट हाउस आदि का प्रावधान किये जाने की योजना है।

मारवाड़ी आरोग्य भवन राँची से
'मारवाड़ी' शब्द हटाये जाने का विरोध

झारखंड के वरियातु स्थित 'मारवाड़ी आरोग्य भवन' से 'मारवाड़ी' शब्द हटाये जाने का झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन ने विरोध व्यक्त किया है। ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों कोलकाता मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी ने भवन में रह रहे कुछ लोगों को मारवाड़ी आरोग्य भवन को तीस वर्षों के लिए लीज पर दिया है। बिना सामाजिक सहमति के लिए गए उक्त निर्णय से झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन सहित समाज के सभी लोग आहत हैं।

उल्लेखनीय है कि उक्त भवन लगभग सौ वर्ष पूर्व मारवाड़ियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए राँची के मारवाड़ी बन्धुओं द्वारा दान में दी गयी जमीन पर बनाया गया था। इसका संचालन कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है।

इस विषय पर ध्यान आकर्षित करने के लिए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के अध्यक्ष श्री सज्जन भजनका को एक पत्र लिखा है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

प्रांतीय अधिवेशन

12-13 जनवरी 2007, मुंगेर में

मुंगेर प्रमण्डलीय मारवाड़ी सम्मेलन के श्री जगदीश अग्रवाल ने समाज विकास को जानकारी दी है कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का आगामी 25वां प्रांतीय अधिवेशन 12-13 जनवरी 2007 को मुंगेर में आयोजित किया जा रहा है। ज्ञात रहे गत अधिवेशन पटना में सम्पन्न हुआ था जिसमें वर्तमान प्रादेशिक अध्यक्ष श्री कैलाश प्रसाद झुनझुनवाला ने पदभार ग्रहण किया था।

उत्तर प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन

कानपुर : स्नेह मिलन एवं स्मारिका विमोचन कार्यक्रम आयोजित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की कानपुर शाखा द्वारा स्नेह मिलन एवं स्मारिका विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मारवाड़ी रत्न डा. गौर हरि सिंहानिया एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री सोमप्रकाश गोयनका, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश मरोलिया, प्रदेश महामंत्री श्री गोपाल सुतवाला तथा जनप्रिय विधायक श्री सलिल विश्नोई सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री सत्यानारायण सिंहानिया ने सम्मानित संरक्षकों, पूर्व पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए स्थायी सेवायोजनाओं को मूर्त्त रूप देने, स्कूल की स्थापना करने, वित्तीय संकट से ग्रसित विद्यालय को अपनाने का सुझाव दिया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षकों, पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व महामंत्रियों को सम्मानित किया गया एवं संस्था द्वारा प्रथम प्रकाशित स्मारिका का विमोचन श्री रमेश मरोलिया के कर-कमलों से किया गया। स्मारिका का सम्पादन श्री बालकृष्ण शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष श्री सुशील कुमार तुलस्यान ने किया।

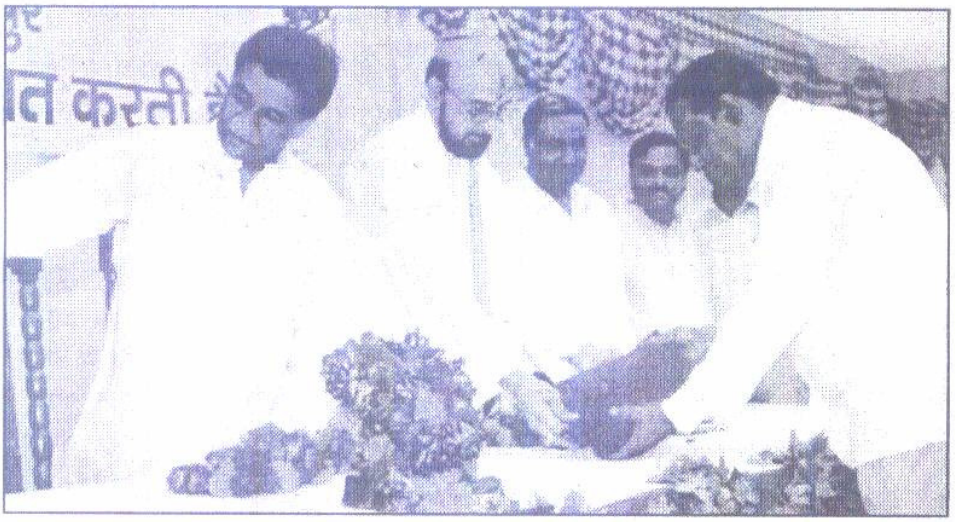

मुख्य अतिथि पं. रमेश मरोलिया से स्मारिका विमोचन कराते सम्पादक श्री बालकृष्ण शर्मा। चित्र में विधायक श्री सलिल विश्नोई, अध्यक्ष श्री सत्यनारायण सिंहानिया एवं महामंत्री श्री अनिल परसरामपुरिया।

पश्चिम बंगीय मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोष

बरूईपुर – स्कूल छात्रों को परिधान वितरण

2 सितम्बर। पश्चिम बंगीय मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोष द्वारा बरूईपुर स्थित श्री सत्यानन्द महापीठ में अर्चनापुरी मां के आश्रम में 150 विद्यार्थियों को स्कूली परिधान वितरित किया गया। प्रधान अतिथि श्री अजय चोखानी ने कहा कि शिक्षा से ही व्यक्ति और समाज का विकास सम्भव है।

शिक्षा कोष के सचिव श्री बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि बालिका शिक्षा से ही देश और समाज की उन्नति सम्भव है।

समारोह के संयोजक थे श्री सतीश देवड़ा। कार्यक्रम के संचालन में श्री घनश्याम शर्मा, कृष्ण बजाज, कृष्ण कुमार लोहिया की प्रशंसनीय भूमिका रही। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध चिकित्सक डा. आर. एस. मजुमदार सहित कई महत्वपूर्ण व्यक्ति उपस्थित थे।

पश्चिम बंगीय मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोष द्वारा सत्यानंद महापीठ, बरुईपुर के छात्र-छात्राओं को परिधान् वितरण करते हुए सचिव बाबूलाल अग्रवाल, डा. आर. एस. मजुमदार एवं उद्योगपति अजय चौखानी।

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

हैदराबाद : मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्कूल बैग वितरित

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा बेगम बाजार स्थित मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय के जरूरतमंद छात्रों में स्कूल बैग वितरित किए गए। सम्मेलन के महामंत्री नरेशचन्द्र विजयवर्गीय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार स्कूल बैग वितरण समारोह में श्री वेणुगोपाल सोमाणी डुंगरगढ़ वाले मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डा. एस. नारायण रेड्डी ने सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग एवं अतिथि द्वय की इस सहयोग के लिए सराहना की। रमेश कुमार बंग ने कहा कि जो अपने लक्ष्य को पाने के लिए कटिबद्ध होते हैं कोई भी बाधा उनके मार्ग को अवरुद्ध नहीं कर सकती। मुख्य अतिथि वेणुगोपाल इन्नाणी ने विद्यालय के अनुशासन की मुक्त कंठ से सराहना की। प्रकाशचन्द्र लड्ढा ने कहा कि मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय की प्रगति यहां के अध्यापकगणों के कठिन परिश्रम का परिणाम है। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्री अनिल सूद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लक्ष्मीनिवास सारडा, श्री गोपाल बंग, श्री सुखदेव शर्मा सहित विद्यालय के अध्यापकगण उपस्थित थे।

आन्ध्र प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय, बेगम बाजार में स्कूल बैग वितरित करते हुए सम्मेलन के अध्यक्ष रमेश कुमार बंग, वेणुगोपाल सोमाणी एवं अन्य।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रांतीय अध्यक्ष का जमशेदपुर भ्रमण

7 अगस्त 2006। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों ने जमशेदपुर में एक सभा की जिसमें झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोविंद प्रसाद डालमिया, भूतपूर्व अध्यक्ष श्री वासुदेव प्रसाद बुधिया, उपाध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया, श्री मुरलीधर केडिया, श्री केदारनाथ पलसानिया एवं माहमंत्री श्री धर्मचन्द जैन 'रारा' उपस्थित थे।

बैठक में मारवाड़ी समाज की एवं विशेषकर जमशेदपुर के मारवाड़ी समाज की समस्याओं एवं सम्भावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

पूर्वी सिंहभूम के मारवाड़ी बंधुओं के अनुरोध पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री गोविंद प्रसाद डालमिया ने श्री चंदूलाल भालोटिया को पूर्वी सिंहभूम जिले के मारवाड़ी सम्मेलन का अध्यक्ष मनोनीत किया। प्रांतीय पदाधिकारियों के अलावा पूर्वी सिंहभूम के अध्यक्ष सर्वश्री चंदूलाल भालोटिया, रामनिरंजन राणासरिया, महेश शर्मा, निर्मल काबरा, लालचंद अग्रवाल आदि ने सभा को संबोधित किया।

नव मनोनीत अध्यक्ष श्री भालोटिया ने श्री संतोष अग्रवाल को पूर्वी सिंहभूम जिले के जिला मारवाड़ी सम्मेलन का मंत्री मनोनीत किया।

समाज बंधुओं के आग्रह पर यह निर्णय लिया गया कि झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति की अगली बैठक साकची (जमशेदपुर) में बुलायी जाये।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन

जूनागढ़ – छात्राओं का नेत्र परीक्षण

मारवाड़ी महिला समिति ने चमेली देवी महिला विद्यालय की छात्राओं का नेत्र परीक्षण करवाया। इस एक दिवसीय शिविर में लेप्रा नेत्र चिकित्सा संस्थान ने अपनी मोबाइल वैन के जरिये महाविद्यालय की छात्राओं की नेत्र चिकित्सा कर उन्हें चश्मा प्रदान किया। लेप्रा इंडिया के संयोजक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा की देख-रेख में आयोजित इस कार्यक्रम में लायन माणिकचन्द अग्रवाल, प्रिंसिपल श्रीमती प्रियमंजरी पंडा ने पूर्ण सहयोग किया। शिविर के प्रारम्भ में एक सभा का आयोजन कर समिति अध्यक्ष श्रीमती जामोती देवी अग्रवाल ने लेप्रा इंडिया द्वारा स्थापित इस नेत्र चिकित्सा संस्थान की भूरि-भूरि सराहना की। शिविर में महिला समिति की सचिव श्रीमती कोमल अग्रवाल, सलाहकार श्रीमती बसंतीदेवी बंसल, सदस्या श्रीमती आशा देवी खेमका, कॉलेज मैनेजिंग कमेटी सदस्य संजय अग्रवाल, नरेश गर्ग ने सहयोग किया।

जूनागढ़ : चमेली देवी महिला महाविद्यालय का कीर्तिमान

जूनागढ़ के भूतपूर्व नगरपाल लायन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा 13 अगस्त 1998 में स्थापित चमेली देवी महाविद्यालय आज अपनी अच्छी शिक्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, नाना प्रकार की कक्षाओं के लिये आस-पास प्रसिद्ध है। बारहवीं कक्षा की परीक्षा में सन् 2006 में इस महाविद्यालय में 84 प्रतिशत छात्राओं ने अच्छे अंकों से परीक्षा पास कर नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

वर्तमान में कालेज की एक नयी इमारत का निर्माण कार्य जूनागढ़ में जोर-शोर से चल रहा है। कालेज बन जाने से अब स्थानीय छात्राओं को दूर दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। कालेज को छात्राओं के पठन-पाठन के लिए सुविधापूर्ण बनाने की योजना है। यह जानकारी श्रीमती कोमल अग्रवाल ने दी है।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच

कांटाबांजी : सदस्यता विस्तार अभियान

युवा मंच द्वारा अपने जन सेवी कार्यों को आगे बढ़ाने एवं राष्ट्रीय विकास तथा संगठन के युवा शक्ति में अपेक्षित वृद्धि मंच विकास एवं विस्तार के तहत देश भर में एक सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान को सफलता हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल के. जाजोदिया के साथ मंच विकास के राष्ट्रीय संयोजक कैलाश चन्द अग्रवाल (कांटाबांजी) के नेतृत्व में क्षेत्रीय विकास संयोजक क्षेत्र-क से अतुल झंवर (सिलीगुड़ी), क्षेत्र-ख से शशांक गोयल (जमशेदपुर), क्षेत्र-ग से संजय संथलिया (गोरखपुर), व क्षेत्र-घ राजेश अग्रवाल 'हीरा' (कांटाबांजी) इस कार्य में सहयोग हेतु तत्पर है।

इस विशाल और जनोपयोगी संगठन से और युवा जुड़े ताकि सेवा, साहचर्य व व्यक्तित्व विकास के माध्यम से उनका जीवन और अधिक

सुन्दर हो सके और देश व समाज को भी उनकी प्रतिभा का लाभ मिले।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच सभी सदस्यों से अनुरोध करता है कि हर सदस्य एक नया सदस्य दें व हर शाखा एक नई शाखा दें। हर एक-जोड़े एक। मंच देश, क्षेत्र, प्रान्त, मंडल या कहीं भी रहने वाले मारवाड़ी समाज के युवाओं को इस राष्ट्रीय संगठन से जुड़ कर अपनी सेवा देने हेतु आह्वान करता है।

कांटाबांजी : स्वास्थ्य मेला सम्पन्न

6 अगस्त 2006। मारवाड़ी युवा मंच कांटाबांजी शाखा एवं कांटाबांजी मिड टाउन (महिला) शाखा द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य मेला भारी सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। मेले का उद्घाटन थाना अधिकारी धनंजय जैना ने किया। मेले में मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. जवाहर अग्रवाल, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. एस. मोहंती एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन सिंह ने अपनी सेवायें दी। आयोजकों द्वारा नि:शुल्क रोगियों का ईसीजी किया गया एवं जरूरतमंदों को मुफ्त में दवाइयां दी गयी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मेले के संयोजक व शाखा उपाध्यक्ष दीपक वर्मा, शाखा अध्यक्ष मुकेश जैन, शाखा मंत्री मनोज अग्रवाल, मेले के सह-संयोजक धीरज टोलिया व सुमीत जैन के साथ शाखा के सभी सदस्यों ने अहम् भूमिका निभायी।

नेपाल राष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन

काठमाण्डू : परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह

अखिल नेपाल मारवाड़ी सामूहिक विवाह आयोजक समिति, काठमाण्डू के तत्वावधान में परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ, जिसमें दो जोड़ों ने शादी के पवित्र बंधन में बंधकर अपने दाम्पत्य जीवन की शुरुआत की।

आयोजक समिति के महासचिव श्री राजेन्द्र प्रसाद केजड़ीवाल ने जानकारी दी कि बिहार से लगभग 70 लड़के-लड़कियों का पंजियन हुआ है।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से भी कमल नोपानी (महामंत्री) श्री महेश जालान, श्री नागरमल बाजोरिया, श्री बसंत कुमार अग्रवाल, श्री संदीप देवड़ा ने कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस अवसर पर श्री नोपानी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में इसकी काफी जरूरत है। परिचय सम्मेलन स्वयम्बर का ही दूसरा रूप है। इससे एक जगह अपने मन पसन्द वर-वधू का चयन करने में आसानी होती है। इससे आडम्बर एवं फिजूलखर्ची को रोका जा सकता है जिससे पैसे का भी दुरुपयोग नहीं होगा।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

गुवाहाटी : नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा द्वारा एक नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आस-पास के कई गांवों से सैकड़ों मरीजों ने अपने नेत्रों की जांच करवाई। नेत्र चिकित्सा के अलावा इस शिविर में मरीजों को नि:शुल्क दवाईयां भी वितरित की गई। मोतियाबिन्द के मरीजों को लायन्स आई अस्पताल में शाखा द्वारा नि:शुल्क शल्य चिकित्सा करवाई जाएगी।

शिविर के आयोजन में कार्यक्रम संयोजक हेमन्त जैन एवं सविता जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाखा के कैलाश लोहिया, ललित धानुका, प्रदीप भड़ेच, सज्जन अग्रवाल, के.आर. चौधरी, बसन्त मित्तल, प्रदीप भुवालका, अजय अग्रवाल, प्रमोद जैन, ओमप्रकाश भड़ेच, मनोहर जालान, राजकुमार रिगानिया तथा महिला समिति की सुलोचना नागौरी, नीलम अग्रवाल, सरला काबरा, सबिता जैन, सारदा केडिया की उपस्थिति में लायन्स आई अस्पताल के डा. एस.एन. चौधरी तथा उनके सहयोगियों द्वारा मरीजों की नेत्र चिकित्सा की गई। कार्यक्रम प्रात: 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चला।

लखीमपुर शाखा : पांच दिवसीय अस्थाई अस्पताल का आयोजन

सम्मेलन की लखीमपुर शाखा द्वारा मलेरिया से पीड़ित लखीमपुर जिले के टीजू क्षेत्र में पंचदिवसीय अस्थाई अस्पताल का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच, लायन्स क्लब लखीमपुर शाखा एवं लायन्स क्लब, लखीमपुर प्रेरणा तथा लखीमपुर जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया।

इस दौरान कुल 1720 रोगियों का नि:शुल्क रक्त परीक्षण भी किया गया जिसमें 113 व्यक्तियों को मलेरिया रोग से पीड़ित पाया गया। रोगियों को सरकार द्वारा उपलब्ध औषधियों के अलावा बाजार से क्रय करके भी नि:शुल्क वितरित किया गया। शिविर में डा. के चेतिया, डा. ए.एस.

तालुकदार, डा. तारायनी, डा. शर्मा ने अपनी सेवायें दी। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डा. हम बरूवा आदि कई प्रशासकीय अधिकारियों ने दौरा कर शिविर की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शाखा की प्रशंसा की।

शिविर के दौरान कार्यक्रम संयोजक रामेश्वर तापड़िया, नंदकिशोर राठी, नवीनचंद हाजरिका, सुशील शर्मा, हीरलाल जैन, सुरेश जैन, रामचंद्र हेडा, मोहनलाल लाखोटिया, प्रवीन दिनोदिया, श्रीमती ज्योत्सना मेडक तथा अन्य सदस्यों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। शाखा द्वारा गत 3 मई को सरकारी अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते हुए बीस मच्छरदानियां नि:शुल्क प्रदान की गई। स्थानीय सेवा भावी बद्रीनारायणजी मालपानी ने उक्त मच्छरदानियों का खर्च वहन किया।

अन्य संस्थाएं

कानपुर : राजस्थान एसोसियेशन का वर्ष 2006-07 का निर्वाचन सम्पन्न

प्रमुख सामाजिक संस्था राजस्थान एसोसियेशन कानपुर का वर्ष 2006-07 के लिये कार्यकारिणी का चुनाव राजस्थान भवन में सम्पन्न हुआ, जिसमें श्री दलपतचन्दजैन को चौथी बार अध्यक्ष पद के लिये सर्वसम्मति से चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष-विजय प्रकाश महेश्वरी, महामंत्री-श्री सत्येन्द्र महेश्वरी, मंत्री-श्री करनराज बोहरा तथा कोषाध्यक्ष- श्री प्रेमनारायण सोमानी चुने गये।

सभा को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष श्री दलपत चन्द जैन ने बताया कि संस्था पिछले चौंतीस वर्ष से चिकित्सा सेवा के साथ-साथ विभिन्न जनहित कार्यों को कर रही है तथा शीघ्र ही राजस्थान भवन में स्थित बी.आर. कुम्भट सभागार को वातानुकूलित करना, सुसज्जित पैथोलॉजी की स्थापना करना तथा कम्प्यूटर शिक्षा प्रारंभ करने की योजना है।

कोलकाता : राजस्थान परिषद द्वारा श्री सेठिया का सम्मान

11 सितम्बर। वरिष्ठ चिन्तक महाकवि पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया के 88वें जन्म दिवस पर राजस्थान परिषद के पदाधिकारियों ने उनके निवास पर अंगवस्त्र भेंट कर उनका भावभीना स्वागत करते हुए उनके दीर्घायु की कामना की। परिषद के अध्यक्ष श्री शार्दुल सिंह जैन, महामंत्री अरुण प्रकाश मल्लावते, अर्थमंत्री रूगलाल सुराणा जैन एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ 'श्री सेठिया साहित्य समग्र' के सम्पादक श्री जुगल किशोर जैथलिया विशेष रूप से उपस्थित थे। श्री सेठिया ने इस अवसर पर अपनी स्वरचित नवीन रचनाएं भी सुनाकर कार्यक्रम को स्मरणीय बना दिया। श्री सेठिया के 88वें जन्म दिन के अवसर पर श्री जैथलिया द्वारा परिषद की ओर से केन्द्रीय सरकार से उन्हें 'पद्म विभूषण' का अलंकरण देने हेतु भी विशेष आग्रह किया गया है।

भागलपुर : भागलपुर लायन्स सेवा केन्द्र ट्रस्ट का चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा कार्य

1. नि:शुल्क नेत्र रोगियों की जांच एंव चश्मा वितरण 2005-06 में 4356 रोयिों के नेत्र की जांच की गई एवं 356 आइ.ओ.एल. ऑपरेशन किए गये। 2. प्रत्येक रविवार को नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा एवं दवा का वितरण। 4632 रोगी लाभान्वित। 3. 30 ऑक्सीजन गैस द्वारा चौबीसों घंटे सेवा उपलब्ध। 4. एम्बुलेन्स सेवा चौबिसों घंटे उपलब्ध। 5. 50 चापाकलों द्वारा जल सेवा। 6. निरंतर नेत्र सेवा विस्तार हेतु नेत्र अस्पताल पर दोमंजिले 1400 वर्ग फीट एवं 250 स्क्वयार फीट ओ.टी. निर्माण किया। 7. अन्य स्वास्थ्य सेवा की भी विस्तार की योजना है। 8. लायन्स इंटरनेशनल में ग्रान्ट लेने की प्रक्रिया भी चल रही है।

कोलकाता : महिला छात्रावास का प्रारम्भ

हमारे देश के कोलकाता जैसे महानगर में उचित दर पर सुरक्षित छात्रावास के अभाव में छात्राओं को माध्यमिक या उच्च माध्यमिक के बाद उच्च शिक्षा का परित्याग कर देना पड़ता है। इस समस्या को गम्भीरता से लेते हुए एक दातव्य न्यास 'बाबूलाल नन्दलाल बोहरा छात्र निवास' ने 'महिला छात्रावास' खोला है जिसमें शुद्ध शाकाहारी भोजन सहित उचित दर पर रहने की व्यवस्था की गयी है।

ट्रस्ट द्वारा पहले से ही कोलकाता के बांगुड़ एवेन्यू में 65 लड़कों के लिए छात्रावास चलाया जा रहा है।

महिला छात्रावास 22/1, सर गुरुदास रोड, फूलबागान, कांकुड़गाछी, कोलकाता-700054 में स्थित है।

विशेष जानकारी श्री बी. पी. यादुका (98315-48582) एवं पी. के. हिम्मतसिंहका (9331024755) से प्राप्त की जा सकती है।

दिल्ली : माहेश्वरी क्लब द्वारा वर्षा मंगल कार्यक्रम का आयोजन

माहेश्वरी क्लब के सदस्य श्री हितेश जाजू के निर्देशन में देश के भिन्न-भिन्न राज्यों के नृत्य का आयोजन किया गया। माहेश्वरी क्लब विभिन्न स्थानों पर हार्ट, आर्थोपेडिक, डेंटल, ई.एन.टी. एवं रक्तदान शिविर का आयोजन समाज के हित के लिए करता रहता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे श्री लक्ष्मी नारायण झुनझुनवाला। कार्यक्रम क्लब के सभापति श्री नंदलाल चाण्डक ने स्वागत भाषण दिया। मंत्री श्री रोहित मूंधड़ा ने वार्षिक गतिविधियों का विवरण दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती सारिका बाहेती तथा सांस्कृतिक उपमंत्री श्रीमती वीणा काबरा का विशेष सहयोग रहा।

प्रान्तीय झाँकी

देवघर – आँख ऑपरेशन व चश्मा वितरण समारोह आयोजित

सीकर नागरिक परिषद कोलकाता व कुम्हारटोली सेवा समिति (देवघर शाखा) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आँख आपरेशन व चश्मा वितरण समारोह का आयोजन देवघर में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रामकृष्ण विद्यापीठ, देवघर के सचिव स्वामी श्री सुबीरानंद जी ने किया। अध्यक्ष श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डा. बी. एल. अग्रवाल ने कहा कि संस्था का समाजसेवा कार्यक्रम दशक भर से चल रहा है। सर्वप्रथम ताजपुर गांव में नेत्र शल्य चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया था जहां के सारे लोग पैदल नदी पार कर गांव पहुँचे थे। उन्होंने कहा कि आँखें सबसे जरूरी अंग है, लेकिन इनका इलाज महंगा होने के कारण गरीब अंधों-सी जिंदगी बसर करते हैं। प्रो. रामनंदन सिंह ने कहा कि श्री रामगोपाल बागला को ही देवघर में सीकर नागरिक परिषद को लाने का श्रेय जाता है। स्वामी सुविरानंद ने उपेक्षितों की सेवा मुहैया करवाने के लिए सीकर नागरिक परिषद व कुम्हारटोली सेवा समिति के प्रयास की सराहना की। सर्वश्री सुभाष चौधरी, भागचंद पोद्दार, भागचंद जैन, विजय कुमार गुजरवासिया, विश्वनाथ चांडक आदि ने भी सभा को संबोधित किया। श्री सुभाष मुरारका ने मंच संचालन किया। समारोह के अंत में स्वामी सुविरानंद जी, जेल अधीक्षक उदय कुशवाहा, घनश्याम प्रसाद अग्रवाल आदि का शॉल ओढ़ाकर व बाबा वैद्यनाथ मंदिर की तस्वीर भेंट कर सम्मान किया गया। अनील पोद्दार, राजेश राजपाल व पवन टमकोरिया को भी इस समारोह में विशेष योगदान हेतु सम्मानित किया गया। घनश्याम जी की मां स्व. छोटी देवी सोभासरिया को इस पूरे आयोजन को समर्पित किया गया। कैंप सहित इस पूरे आयोजन के लिए आर्थिक खर्च का वहन रूपा एंड कम्पनी ने किया।

आदिलाबाद : जिलास्तरीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन

6 अगस्त। आदिलाबाद जिला माहेश्वरी सभा की कार्यकारिणी की बैठक की गयी जिसमें समाज को आदर्श समाज के रूप में विकसित करने की दिशा में रूपरेखाएं तैयार की गईं। सभी सदस्यों की सहमति से माहेश्वरी समाज के जिला संविधान को पारित किया गया। अध्यक्ष रामनारायण सारडा की अध्यक्षता में आयोजित हुई इस बैठक में आंध्र प्रदेश जिला माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष मूलचंद चितलांगी ने सदस्यों के साथ विविध विषयों पर चर्चाएं की। सभा के मंत्री ईश्वरचंद बजाज ने बताया कि माहेश्वरी समाज से जुड़े पिछड़े तबके को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा के लिए, विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां जिला कोष की ओर से देने का निर्णय लिया गया। समाज के पिछड़े लोग जो समाज की ओर से आर्थिक सहायता हासिल करने के इच्छुक हैं आदिलाबाद, भैंसा, चेन्नूर, मंचेरियाल, कागजनगर शाखाओं के अध्यक्षों के पास अपना आवेदन दे सकते हैं। बैठक में सर्वश्री पुरुषोत्तम जाजू, गोविंद प्रसाद कालिया, ओमप्रकाश मुंदड़ा, मुरली मनोहर मालपाणी, मुरलीधर गंगन, द्वारका प्रसाद सारडा, रामदेव करवा, रामबल्लभ इन्नानी, संदीप मोदानी, मांगीलाल असावा, घनश्यामदास सितानी, जुगलकिशोर लोया, श्रीमती लीलांगगन, गणेशलाल राठी आदि सदस्यों, महिलाओं ने हिस्सा लिया।

सम्मान/पुरस्कार

तिनसुकिया – सज्जन कुमार बजाज को भारतीय उद्योग रत्न पुरस्कार

11 अगस्त। इंडियन इकानामिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च एसोसियेशन द्वारा तिनसुकिया के धर्मपरायण उद्योगपति सज्जन कुमार बजाज को भारतीय उद्योग रत्न पुरस्कार संत नवराज प्रपन्नजी महाराज के कर कमलों से प्रदान किया गया। इस अवसर पर समाज के अनेकों गणमान्य उपस्थित थे।

भूल सुधार

गत जुलाई अंक में वास्तु शास्त्री श्यामलाल जालान के प्रकाशित फोन नं. को निम्नानुसार सुधार कर पढ़ें :-

09331024499, 09831068307

'मिलनी सबकी चार रुपया, चाँदी छोड़ कागज का रुपया'

न खाता सही, न बही सही, जो मारवाड़ी कहे, वही सही।

-मारवाड़ी सम्मेलन

wonder images

Leading solvent printing unit for outdoor & indoor ad.

- Crystal clear digital printing with vutek machine, on Flex, SAV, One way vision, UK Media, Mesh, Lamination, Canvas, etc.
- 40,000 sq ft per day production capacity .
- No compromise in quality.

Wonder images Pvt. Ltd.

2 Brabourne Road, Kolkata - 700 001
Ph: 2225 1862/3/4/5, 9830425990, Fax : 91-33-2225 1866
email : wonder@cal2.vsnl.net.in

REGISTERED Postal Registration
No. SSRM/KOL/WB/RNP-093/2004-06
Date of Publication - 29th Septmeber 2006
RNI Regd. No. 2868/68

True to our values.

True to our people.

True to our projects.

True to our selves.

Tomorrow happens when there is true partnership.

There are companies that only finance infrastructure. And there are Companies that also finance dreams, aspirations and hopes. SREI, an Indian multinational, belongs to the latter. More than just financial products and services, SREI excels in offering customised, flexible, reliable and cost-effective solutions. The focus clearly is on infrastructure equipment, projects and renewable energy resources through innovative financing and "true partnerships".

SREI not only enjoys a leadership position in the market today, but is also recognised as a people-centric company. This investment in human resource development and consistently acknowledging the blessings of god makes SREI a proud recipient of the Willis Harman Spirit at Work Award.

At SREI, it's the vision of tomorrow that fuels our passion. Propelling us to see tomorrow. Today.

WE MAKE TOMORROW HAPPEN.

SREI
INFRASTRUCTURE FINANCE LIMITED

Visit us at www.srei.com

ASSET FINANCING • INFRASTRUCTURE FINANCING • RENEWABLE ENERGY FINANCE • INVESTMENT BANKING • VENTURE CAPITAL • INSURANCE SERVICES

From :
All India Marwari Federation
152B, Mahatma Gandhi Road
Kolkata - 700 007
Ph : 2268 0319

To,

भारत की भावी भाग्य रेखा के लिए समुचित निर्धारण

राजेन्द्र शंकर भट्ट

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन प्रवासी राजस्थानियों का प्रतिनिधात्मक तथा प्रतिष्ठित राष्ट्रव्यापी संगठन है। यह स्वभावत: और सिद्धान्त: परिवर्तनप्रिय और प्रगतिशील रहा है। परन्तु जैसे-जैसे समय बीता है इसके प्रयत्नों के परिणाम इसकी आकांक्षाओं के नीचे उतरते गये हैं। सम्मेलन के नये अध्यक्ष ने कहा है : 'समाज शिक्षित हुआ है, लेकिन सुधार अभी भी बाकी है। मारवाड़ी समाज अपनी जिन खूबियों के लिए जाना जाता है, उन्हें खो रहा है। संचय की प्रवृत्ति का ह्रास हुआ है एवं झूठा दिखावा एवं प्रदर्शन बढ़ रहा है। व्यवसाय में जुबान की कीमत एवं ईमानदारी में कमी हुई है।'

इस प्रकार सम्मेलन का जो बीसवां वार्षिक अधिवेशन विगत अगस्त में उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर में हुआ, उसकी आकांक्षा और लक्ष्य-साधना पहले से निर्धारित थी, और नये अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने इन्हें बड़ी ही व्यग्रता से रेखांकित किया : 'समाज सुधार एवं समरसता हमारा नारा हो। सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास के लिए मारवाड़ी सम्मेलन (समाज) में नयी चेतना जागृत करनी है।' साथ ही उन्होंने मारवाड़ी समाज के जीवनयापन के मुख्य निर्धारक व्यापार-उद्योग क्षेत्र की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिलाया : 'एक नयी राजनैतिक एवं आर्थिक विश्व-व्यवस्था स्थापित हुई है। खुली अर्थव्यवस्था एवं वैश्वीकरण ने तमाम मूल्यों, आस्थाओं एवं संकल्पों में आमूल परिवर्तन किया है। आने वाला समय आर्थिक क्षेत्र में और अधिक संघर्षपूर्ण एवं ज्यादा जागरुकता के लिए विवश करेगा।'

नवचेतना

इसकी छाप अधिवेशन में अंगीकृत प्रस्तावों पर होनी ही थी। भुवनेश्वर के जो दो प्रमुख प्रस्ताव रहे उनमें इन दोनों दिशाओं में नव-चेतना है। नयी आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था विषयक पहले प्रस्ताव में कहा गया है : 'प्रतिस्पर्धा इस तेजी से उभर रही है कि साधारण व्यक्ति के लिए अनपे अस्तित्व को बनाये रखना बेहद कठिन हो रहा है। उदारीकरण के इस वातावरण में पुश्तैनी व्यवसाय व उद्योग दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और हमारे समाज के बहुसंख्यक बहनों व भाइयों के सामने अस्तित्व-रक्षा की चुनौतियां उपस्थित हो रही हैं।'

इससे बचाव के रूप में यह कहा गया : 'जरूरी है कि हम नए-नए क्षेत्रों में सृजन और व्यावसायिक तथा औद्योगिक विस्तार के नये क्रम एवं प्रकल्प स्थापित करने की पहल करें।' परन्तु प्रचलित प्रवाह से निकाल कर अपने को नये क्रम से जोड़ना आसान नहीं होगा। जब ऐसा कहा जाता है : 'ऐसा बिना सामूहिक प्रयास के संभव नहीं होगा।' प्रश्न यह उठता है कि सम्मेलन का जो प्रभाव-क्षेत्र है उसके लिए उसकी नीति और कोशिश क्या होगी। और जहां 'सामूहिक प्रयास' के लिए संगठन ही नहीं है वहां के लिए कैसे कुछ किया जायेगा।

असल में जब प्रतिस्पर्धा की बात आती है, सब एक-दूसरे के प्रति आक्रामक हो जाते हैं, और सबसे पहले शिकार सामूहिकता और समरसता के सिद्धान्त ही होते हैं। यही इस समय की स्थिति है।

व्यापक संकट

खुली बाजार व्यवस्था जो रूप इन दिनों इस देश में ले रही है, उससे जो छोटे दूकानदार हैं उनके सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। अध्यक्ष ने कहा अवश्य है : 'आर्थिक चुनौतियों के इस दौर में हमें उन मारवाड़ी भाइयों को नहीं भूलना है जो आज भी दो रोटी के लिए जी-तोड़ परिश्रम करते हैं।' परन्तु ऐसा नहीं लगता कि इसमें वे उस प्रसार तक पहुंचे हैं जिसमें बड़े-बड़े भारतीय और विदेशी प्रतिष्ठान भारत के कस्बों और गांवों में खुदरा बिक्री के लिए नये से नये बिक्री केन्द्र और व्यापक विस्तार की नयी से नयी व्यवस्थाएं कर रहे हैं। 11 सितम्बर 2006 के साप्ताहिक 'आउटलुक' ने सशक्त प्रतिष्ठानों के ग्रामीण भारत पर आक्रामक अभियान के जो आयाम दिये हैं, उनसे भविष्य दृष्टा नेतृत्व को पूरी तरह अपने को अवगत रखना चाहिए था, और बताना चाहिये था कि इससे निस्तार के उपाय क्या हैं। 'हमें ऐसा सम्मिलित आर्थिक सामर्थ्य पैदा करना है कि समाज का हर वर्ग लाभान्वित हो सके एवं समाज की सर्वांगीण उन्नति का सम्मेलन का सपना साकार हो सके।' यह अभिकल्पना मात्र है, चूंकि जहां छोटे-छोटे व्यापारी अपनी अनवरत सेवाओं से स्थानीय आवश्यकताएं परिपूरित कर रहे थे, वहां बड़े और विश्वव्यापी प्रतिष्ठानों के बिक्री-केन्द्र अवश्य उनके हितों पर प्राणनाशक आघात करेंगे जो पीढ़ियों से इस प्रकार के व्यवसाय में लगे रहे हैं। ऐसा व्यापक संकट भारतीय बाजारों में पहले कभी नहीं आया।

इसका यह पक्ष इसका संकट और ज्यादा बढ़ाता है कि आम खरीदार के लिए नयी व्यवस्था लाभकारी रहेगी : विश्वस्तर के उपकरण और सामग्री उसे अपने आसपास प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर मिलेगी।